सुविचार

इस दुनिया में आजाद कौन है? वह व्यक्ति जो खुद पर नियंत्रण रखता है।

होरेस

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष 3 ■ अंक 84 ■ जबलपुर, शनिवार 21 मार्च 2026 ■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य, 01 रुपये ■ RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965

ईरान ने दहलाए अमरीका के सहयोगी, कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट पर दागी मिसाइलें

कतर के सबसे बड़े गैस प्लांट पर दागी मिसाइलें; सऊदी अरब, कुवैत, यूएई के ऊर्जा ठिकानों पर भी निशाना

तेहरान, तेल अवीव। अपनी सबसे बड़ी पार्स गैस फील्ड पर हमले से बौखलाए ईरान ने अमरीका के सहयोगी चार मिडल ईस्ट देशों के ऊर्जा ठिकानों पर जोरदार हमला बोल दिया। ईरान ने सऊदी अरब के यानबू की सामरेफ ऑयल रिफाइनरी पर ड्रोन हमला किया, जिससे वहां ऊर्जा ढांचे को नुकसान पहुंचा। कतर के रास लफान गैस प्लांट पर भी हमला किया गया, जहां आग लग गई और भारी नुकसान हुआ। यहां से अब गैस सप्लाई में पांच साल लग सकते हैं। कुवैत के मीना अल-अहमदी और मीना अब्दुल्ला रिफाइनरी को भी निशाना बनाया गया। इसी तरह यूएई के अलग-अलग ऊर्जा ठिकानों और इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले किए गए। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के खातम अल-अनबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर के प्रवक्ता ने कहा है कि ईरान की ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमलों का जवाब अभी खत्म नहीं हुआ है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान के एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर पर दोबारा हमला हुआ, तो उसका जवाब और खतरनाक होगा। उधर, अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर इजराइल के हमले के बारे में अमरीका को कुछ भी जानकारी नहीं थी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी एशिया में जो कुछ भी हुआ है, उससे गुस्से में आकर इजरायल ने हिंसक तरीके से ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड पर हिंसक हमला किया है। अमरीका को इस हमले का पता नहीं था, न उन्हें इसका अंदाजा था कि ऐसा कुछ होने वाला है।

इसके अलावा कतर की इस हमले में कोई भी भूमिका नहीं थी। ट्रंप ने कहा कि ईरान का कतर की एलएनजी गैस सुविधा के एक हिस्से पर हमला अनुचित और अन्यायपूर्ण है। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस अत्यंत महत्त्वपूर्ण और बहुमूल्य साउथ पार्स फील्ड में इजरायल अब कोई और हमले नहीं करेगा, हालांकि यह भी चेतावनी दी कि जब तक ईरान मूर्खतापूर्ण ढंग से बेहद निर्दोष देश कतर पर हमला करने का फैसला नहीं करता। अगर ईरान ऐसा करता है, तो अमरीका, इजरायल की मदद या सहमति के बिना या उसके साथ पूरे साउथ पार्स गैस फील्ड को इतनी ताकत और शक्ति से उड़ा देगा जैसा ईरान ने पहले कभी नहीं देखा होगा। साउथ पार्स फील्ड (जिसे कतर के साथ साझा किया जाता है और वहां इसे नॉर्थ फील्डके नाम से जाना जाता है) दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस क्षेत्र है। यह ईरान के कुल गैस उत्पादन का लगभग 70-75 प्रतिशत हिस्सा प्रदान करता है।

ईरान के तेल से बैन हटा सकता है अमरीका : तेहरान। जंग के बीच अमरीका ईरान के तेल पर लगे बैन में ढील दे सकता है। अमरीकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने कहा कि ट्रंप सरकार ईरान से जो तेल पहले से बाहर जा रहा है, उस पर लगी पाबंदियां कुछ समय के लिए हटा सकती है। ईरान पर भले ही अमरीकी पाबंदियां लगी हों, लेकिन फिर भी ईरान कुछ देशों को चोरी-छिपे या खास तरीकों से तेल बेच रहा है। अब अमेरिका यह सोच रहा है कि जो तेल वैसे भी बाजार में आ रहा है, उस पर लगी पाबंदियों को कुछ समय के लिए ढीला कर दिया जाए, ताकि सप्लाई खुलकर बढ़ सके और कीमतें कम हो सकें।

इजराइल को धमकी देने के बाद ईरानी अफसर की मौत

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के प्रवक्ता जनरल अली मोहम्मद नैनी की शुक्रवार को हवाई हमले में मौत हो गई। [illegible] ने एक बयान जारी कर उनकी मौत की पुष्टि की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नैनी को हालिया हमले में निशाना बनाया गया। नैनी ने अपने आखिरी बयान में कहा था कि इजराइल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के लिए सरप्राइज तैयार है। उन्होंने दावा किया था कि ईरान की मिसाइल क्षमता अपने चरम पर है और दुश्मन को जल्द ही इसका असर देखने को मिलेगा। नैनी ने यह भी कहा था कि युद्ध के बावजूद ईरान लगातार मिसाइल उत्पादन कर रहा है।

प्रीमियम पेट्रोल 2.35 प्रति लीटर तक महंगा हुआ

इंडियन ऑयल, एचपी और भारत पेट्रोलियम ने दाम बढ़ाए, सामान्य पेट्रोल पुरानी कीमत पर ही मिलेगा

नई दिल्ली। सरकारी तेल कंपनियों ने स्पीड और पावर जैसे प्रीमियम पेट्रोल की कीमतें शुक्रवार को 2.09-?2.35 प्रति लीटर तक बढ़ा दी हैं। यह बढ़ोतरी अमेरिका-इजराइल और ईरान जंग के चलते कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने की वजह से की गई है। यह बढ़ोतरी अलग-अलग राज्यों और शहरों के हिसाब से अलग-अलग हो सकती हैं। प्रीमियम पेट्रोल की बढ़ी हुई कीमतें तत्काल प्रभाव से लागू मानी जा रही हैं। इस बढ़ोतरी के बाद नई दिल्ली में प्रीमियम पेट्रोल की कीमत 107 रुपए से 112.30 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं मुंबई में प्रीमियम पेट्रोल 115-120.30 रुपए प्रति लीटर और चेन-?नई में 112-117.30 रुपए प्रति लीटर पहुंच गई है। प्रीमियम पेट्रोल BPCL का स्पीड, HPCL का पावर और IOCL का XP95 के नाम से बिकता है। वहीं सामान्य पेट्रोल पुराने दाम पर ही मिलता रहेगा। फिलहाल इनके दामों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

राष्ट्रपति संत प्रेमानंद से मिलीं, हाथ जोड़कर प्रणाम किया

संत ने राधे-राधे कहा; परिवार के साथ मुर्मू वृंदावन पहुंचीं, 25 मिनट चर्चा की

मथुरा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। उन्होंने 25 मिनट तक आध्यात्मिक चर्चा की। राष्ट्रपति शुक्रवार सुबह 7 बजे बारिश के बीच परिवार के साथ प्रेमानंदजी के वृंदावन आश्रम पहुंचीं। उन्होंने हाथ जोड़कर संत को प्रणाम किया। संत प्रेमानंद ने राधे-राधे कहकर उनका अभिवादन स्वीकार किया। आश्रम में राष्ट्रपति का संतों ने माला-चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। राष्ट्रपति ने प्रेमानंदजी को जन्मदिन की भी बधाई दी। गुरुवार यानी 19 मार्च को उनका 56वां जन्मदिन था। दरअसल, राष्ट्रपति मुर्मू, यूपी के 3 दिन के दौरे पर हैं। गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में रामलला के दर्शन किए थे। फिर शाम को मथुरा पहुंचीं। प्रेमानंदजी से मुलाकात के बाद बाबा नीम करौरी महाराज के आश्रम पहुंचेंगी। राष्ट्रपति मुर्मू का मथुरा का यह दूसरा दौरा है। इससे पहले वह पिछले साल 25 सितंबर को आई थीं। तब बांके बिहारी के दर्शन किए थे।

सरकार ने 300 अवैध बेटिंग वेबसाइट्स-एप ब्लॉक किए

इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म भी शामिल; अब तक 8400 प्लेटफॉर्म बंद

नई दिल्ली। सरकार ने अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 300 वेबसाइट्स-एप्स को ब्लॉक किया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक अब तक कुल 8400 ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर बैन लगाया जा चुका है। इनमें से करीब 4900 वेबसाइट्स ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद ब्लॉक की गई हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक जिन प्लेटफॉर्म्स पर कार्रवाई की गई है, वे मुख्य रूप से अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी और जुए से जुड़े थे। इनमें ऑनलाइन स्पोर्ट्स बेटिंग प्लेटफॉर्म, ऑनलाइन कसीनो (स्लॉट्स, रूलेट और लाइव डीलर गेम्स), पी-टू-पी बेटिंग एक्सचेंज, सट्टा/मटका नेटवर्क और रियल मनी कार्ड ऐप्स शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए बड़े स्तर पर अवैध लेनदेन और जुए को बढ़ावा मिल रहा था। इसे रोकने के लिए आईटी एक्ट और अन्य संबंधित कानूनों के तहत लगातार निगरानी और कार्रवाई की जा रही है।

असम सीएम हिमंता ने नॉमिनेशन भरा, गुवाहाटी में रोड-शो किया

बंगाल में IAS-IPS के ट्रांसफर पर टीएमसी सांसद हाईकोर्ट पहुंचे, ममता आज मेनिफेस्टो जारी करेंगी

नई दिल्ली, एजेंसी। असम सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को जालुकबारी सीट से नॉमिनेशन दाखिल किया। वे छंठी बार इस सीट से चुनाव लड़ रहे है। नॉमिनेशन से पहले उन्होंने रोड शो भी किया। इस दौरान उनकी पत्नी रिनिकी भुइयां सरमा और बेटे नंदिल बिस्वा सरमा साथ मौजूद रहे। बीजेपी ने असम चुनाव के लिए गुरुवार को 88 कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी की थी। पार्टी ने कांग्रेस से आए प्रद्युत बोरदोलोई और भूपेन बोरा को भी टिकट दिया है। इधर, पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग की ओर से IAS-IPS के ट्रांसफर के खिलाफ टीएमसी सांसद ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिका में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पक्षकार बनाया गया है। इस बीच ममता आज TMC का मेनिफेस्टो घोषित कर सकती है। केरल विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने गुरुवार को 37 उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर दी है। इससे पहले 17 मार्च को पार्टी ने 55 उम्मदीवारों के नाम की घोषणा की थी। 9 अप्रैल को होने वाले चुनावों में पार्टी ने अपने किसी भी सांसद को चुनाव मैदान में न उतारने का फैसला किया है।

राजस्थान में ओले; एमपी-यूपी, बिहार समेत 12 राज्यों में बारिश

शिमला। देश के 12 राज्यों में मौसम बदला हुआ है। मार्च के महीने में जहां पहाड़ी इलाकों जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल में भारी बर्फबारी हो रही है। वहीं मैदानी इलाकों राजस्थान, मध्य प्रदेश, यूपी और

बिहार में तेज बारिश के साथ-साथ ओले गिर रहे हैं। मौसम में बदलाव की वजह वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का बदला हुआ आकार है। आमतौर पर यह सिस्टम कर्व्ड (मुड़ा हुआ) होता है। इस बार यह सीधी लाइन में है। यह रेन बैंड 1000 किमी लंबा है। अफगानिस्तान से पाकिस्तान और इंडिया तक इसका असर है। दरअसल वेस्टर्न डिस्टर्बेंस पश्चिम से आने वाला बादलों का एक सिस्टम होता है। जो सर्दियों में उत्तर भारत में बारिश और बर्फबारी कराता है। क्लाइमेट साइंटिस्ट डॉ. प्रदीप के अनुसार, मौजूद वेस्टर्न डिस्टर्बेंस अपनी बनावट के कारण बेहद दुर्लभ है। जिससे शक्तिशाली आंधी-तूफान और गरज वाले बादल पैदा करने की क्षमता है।

गुजरात में गैस की किल्लत, प्रवासी मजदूर गांव लौट रहे

सूरत। अमेरिका-इजराइन की ईरान से जंग जारी है। इसका असर भारत पर भी नजर आ रहा है। एलपीजी गैस कि कमी से परेशान होकर गुजरात से प्रवासी मजदूरों और गुजरात में रेस्टुरेंट-ढाबा और दूसरे खाने-पीने के स्टॉल चलाने वाले अपने घर वापस लौटने लगे हैं। इनके अलावा गुजरात में रहने वाले यूपी-बिहार के हजारों स्टूडेंट्स को अपने घर लौट रहे हैं। सूरत में राज्य के अन्य रेलवे स्टेशन पर प्रवासियों की भीड़ नजर आ रही है। दैनिक भास्कर ने ऐसे ही कुछ प्रवासियों से बात की। लोगों ने बताया कि छोटे सिलेंडर के लिए पहले गैस 100 किलो मिलती थी, लेकिन अब 300-400 किलो मिल रही है। घरेलू सिलेंडर के रेट 5 हजार पहुंच गए हैं।

भागवत बोले-युद्ध स्वार्थी हितों और वर्चस्व की चाहत का नतीजा

नागपुर। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में संघर्षों की असली वजह स्वार्थी हित और वर्चस्व की चाहत है। स्थायी शांति केवल एकता, अनुशासन और धर्म को मानने से ही हासिल की जा सकती है। भागवत नागपुर में विश्व हिंदू परिषद के कार्यालय की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- पिछले 2,000 साल से दुनिया ने संघर्षों को सुलझाने के लिए कई प्रयोग किए हैं, लेकिन उन्हें बहुत कम सफलता मिली है। आरएसएस चीफ ने यह भी कहा कि भारत का स्वभाव ही ऐसा है

जो सद्भाव में विश्वास रखता है। यही कारण है कि पूरी दुनिया से यह आवाज उठ रही है कि भारत ही ईरान-इजराइल युद्ध को खत्म करने में मदद कर सकता है। भागवत बोले कि भारत के लोग मानवता के नियम पर चलते हैं, जबकि बाकी दुनिया जंगल का कानून मानती है। लड़खड़ाती हुई दुनिया को धर्म की नींव देकर उसमें संतुलन बहाल करना हमारा ही काम है।

अब ऑनलाइन खाने का ऑर्डर पड़ेगा महंगा!

नई दिल्ली। रैपिडो के इस कदम से मौजूदा कंपनियों पर दबाव पड़ सकता है, खासकर तब जब ग्राहकों ने फूड डिलीवरी ऑर्डर में जोड़े जाने वाले कई शुल्कों पर चिंता जताई है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच प्लेटफॉर्म शुल्क में भी वृद्धि हुई है। जोमैटो के ऐप पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म ने अपने उपयोगकताओं से प्रति ऑर्डर लिए जाने वाले प्लेटफॉर्म शुल्क में 2.40 रुपये की वृद्धि की है। जीएसटी से पहले की तुलना में अब प्लेटफॉर्म शुल्क 12.50 रुपये प्रति ऑर्डर है, जो बढ़कर 14.90 रुपये प्रति ऑर्डर हो गया है। यह एक और वृद्धि है, इससे पहले सितंबर 2025 में वृद्धि हुई थी। करों को शामिल करने के बाद, जोमैटो की प्रतिद्वंदी कंपनी स्विगी वर्तमान में 14.99 रुपये प्रति ऑर्डर का प्लेटफॉर्म शुल्क ले रही है। आमतौर पर, दोनों कंपनियां इस तरह के शुल्कों के मामले में लगभग समान मूल्य निर्धारण रुझानों का पालन करती हैं। यह नवीनतम वृद्धि ऐसे समय में हुई है जब फूड डिलीवरी क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा में नए बदलाव देखने को मिल रहे हैं। शहरी गतिशीलता स्टार्टअप रैपिडो ने हाल ही में बेंगलुरु में अपनी फूड डिलीवरी सेवा, ओनली, लॉन्च की है। कंपनी ने कहा है कि वह डिलीवरी शुल्क के अलावा ग्राहकों या रेस्तरां से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लेगी। रैपिडो के इस कदम से मौजूदा कंपनियों पर दबाव पड़ सकता है, खासकर तब जब ग्राहकों ने फूड डिलीवरी ऑर्डर में जोड़े जाने वाले कई शुल्कों पर चिंता जताई है।

भविष्य के युद्धों में ड्रोन की भूमिका बड़ी, रक्षा मंत्री बोले, भारत को बनना होगा आत्मनिर्भर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि भारत को मौजूदा भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को देखते हुए रणनीतिक स्वायत्तवता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनने के मिशन मोड में कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नई प्रौद्योगिकियों को अपनाना आवश्यक है। श्री सिंह ने रक्षा उत्पादन विभाग द्वारा आयोजित दो दिन के राष्ट्रीय रक्षा उद्योग सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में गुरुवार को ह्यउन्नत विनिर्माण प्रौद्योगिकियांह्न विषय पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, नव-उद्यमों, रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवाचार विजेताओं, रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों, निजी रक्षा कंपनियों, नवोन्मेषकों, नीति निमार्ताओं और शिक्षाविदों को संबोधित किया। उन्होंने वर्तमान भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं को देखते हुए रणनीतिक स्वायत्तता सुनिश्चित करने, रक्षा तैयारी को सुदृढ़ करने तथा देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ड्रोन उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान और इजरायल के बीच तनाव तक चल रहे संघर्ष इस बात के प्रमाण हैं कि भविष्य के युद्धों में ड्रोन और प्रतिरोधी ड्रोन प्रौद्योगिकियां महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और ड्रोन निर्माण में आत्मनिर्भरता केवल उत्पाद स्तर पर ही नहीं, बल्कि कलपुर्जे के स्तर पर भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ड्रोन के ढांचों से लेकर उसके सॉफ्टवेयर, इंजन और बैटरियों तक, सब कुछ भारत में ही निर्मित होना चाहिए।

निजी क्षेत्र से सक्रिय भागीदारी का आह्वान

श्री सिंह ने कहा कि किसी भी देश के रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण बड़े उद्योगों, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों, नव-उद्यमों और नवोन्मेषकों के योगदान पर निर्भर करता है, साथ ही सरकार की स्पष्ट नीतिगत दिशा भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण होती है, जो देश की विशिष्ट रक्षा आवश्यकताओं के अनुरूप हो। उन्होंने निजी क्षेत्र से सक्रिय भागीदारी का आह्वान किया और सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया, ताकि भारत को स्वदेशी ड्रोन निर्माण का वैश्विक केंद्र बनाया जा सके।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें 7415685293 9589490996 9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

श्री गुरुद्वारा साहिब में आयोजन में शामिल हुए कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं एसडीएम

चेटीचन्ड्र महोत्सव पर विशाल वाहन रैली और भव्य शोभायात्रा का आयोजन

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में सिंधी समाज के इष्ट देव वरुण अवतार भगवान श्री झूलेलाल सांई का जन्म दिवस चेटीचन्ड्र महोत्सव के रूप में सिंधी समाज के द्वारा धूमधाम से मनाया गया,पूज्य सिंधी पंचायत,सिंधु नवयुवक मंडल एवं मातृशक्ति सदस्यों के द्वारा विविध आयोजन किए गए, आयोजन की श्रृंखला में एक सप्ताह पहले गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ आरंभ किया गया जो कि नियमित रूप से पाठन किया गया,पंडित रानूनाथ शर्मा की मौजूदगी में भगवान श्री झूलेलाल सांई जी का जल अभिषेक किया गया,तत्पश्चात झूलेलाल सांई जी का श्रृंगार किया गया,श्री गुरुद्वारा साहिब में भजन कीर्तन, आरती, पूजा के साथ सभी परिवारों की सुख शांति के लिए अरदास की गई,सामाजिक जनों के द्वारा इस अवसर पर नाच गायन करते हुए जन्मोत्सव की बधाइयां दी गईं, साप्ताहिक पाठ का भोग का कार्यक्रम संपन्न हुआ,सामाजिक जनों के द्वारा गुरु ग्रंथ साहिब पर चोला चढ़ाया गया। इस अवसर पर सामाजिक सदस्यों की मौजूदगी में भाई साहब हरनाम उदासी के द्वारा पल्लव पूजा का कार्यक्रम संपन्न हुआ,तत्पश्चात आम लंगर का आयोजन किया गया जिसमें सभी शामिल जनों ने प्रसादी ग्रहण की।

वाहन रैली का जगह जगह हुआ स्वागत

सुबह सामाजिक जनों के द्वारा विशेष ड्रेस कोड के साथ वाहन रैली निकाली गई जिसको समाज के वरिष्ठ जनों ने झंडी दिखाकर रवाना किया।वाहन रैली शहर के मुख्य मार्गों से होते हुए पुनः गुरुद्वारा साहिब में विराम ली, रैली भगवान झूलेलाल सांई के जयकारों के साथ गुंजायमान रही, वाहन रैली का जोर शोर से स्वागत किया गया।जगह जगह स्वागत में स्वल्पाहार का आयोजन भी किया गया, वाहन रैली में बड़ी संख्या में पुरुष,महिलाएं और बच्चे शामिल हुए,युवाओं में बहुत उत्साह देखा गया।

कलेक्टर,पुलिस अधीक्षक एसडीएम हुए शामिल

चेटीचन्ड्र महोत्सव के अवसर पर श्री गुरुद्वारा साहिब में विविध आयोजन किए गए। आयोजन में मंडला कलेक्टर सोमेश मिश्रा,पुलिस अधीक्षक रजत सकलेचा एवं एसडीएम सोनल सिडाम मेडम शामिल हुए। इन्होंने भगवान झूलेलाल एवं श्री गुरुग्रंथ साहिब पर चोला चढ़ाया,माथा टेककर आशीर्वाद लिया। आयोजित लंगर में शामिल होकर गुरु प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर पूज्य सिंधी पंचायत मंडला के द्वारा कलेक्टर पुलिस अधीक्षक एवं एसडीएम मेडम को शॉल पहनाकर सम्मान किया गया।

भगवान श्री झूलेलाल की झांकी के साथ निकली शोभायात्रा

सायंकाल में श्री बहिराणा साहब का पूजन अर्चन किया गया एवं

विशाल शोभायात्रा निकाली गई, भगवान झूलेलाल,संत कंवर राम एवं महापुरुषों की आकर्षक झांकियां से सुसज्जित,बैंड बाजे सहित विशाल शोभायात्रा गुरु के जयकारों के साथ गुंजायमान रही, शोभा यात्रा का जगह-जगह स्वागत सत्कार किया गया एवं स्वल्पाहार की व्यवस्था रखी गई,शोभायात्रा नगर के मुख्य मार्गों से होते हुए मां नर्मदा के पावन तट पर गुरु अरदास एवं पल्लव पूजा के साथ संपन्न हुई।

अंबेडकर वार्ड श्री झूलेलाल मंदिर में भी हुए आयोजन

वही अंबेडकर वार्ड स्थित श्री भगवानी बाई केवलराम श्री झूलेलाल मंदिर में चेटीचन्ड्र महोत्सव पर भगवान श्री झूलेलाल की पूजा अर्चना, शहनाई के साथ कीर्तन किया गया। आयोजित विविध स्वादिष्ट व्यंजनों की चौपाटी में बड़ी संख्या में सामाजिक जन शामिल हुए। शाम को बहिराणा साहब की पूजा अर्चना के पश्चात पालकी शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर मंदिर में विशेष साज सजावट की गई। कार्यक्रम में डिस्पोजल का प्रयोग नहीं करते हुए पर्यावरण जागरूकता का संदेश दिया गया।

पुलिस-प्रशासन मूकदर्शक, सड़कें कब्जे में – एम्बुलेंस तक फंसी, जिम्मेदारों की नींद नहीं टूटी

घुघरी बस स्टैंड बना ह्यअराजकता का अड्डा': अतिक्रमण, जाम और लापरवाही में घुट रही जनता!

रेवांचल टाइम्स` घुघरी (मंडला)। तहसील मुख्यालय घुघरी में इन दिनों बस स्टैंड और मुख्य सड़कें पूरी तरह अतिक्रमण की गिरफ्त में हैं। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि यहां सड़कें अब आवागमन के लिए नहीं, बल्कि अवैध कब्जों और बाजार के लिए इस्तेमाल हो रही हैं, और पुलिस-प्रशासन सब कुछ देखते हुए भी मूकदर्शक बना हुआ है।

सड़क बनी बाजार, बस स्टैंड बना कब्जे का केंद्र- तहसील मुख्यालय को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाली नव-निर्मित सड़क अब अतिक्रमण का स्थायी अड्डा बन गई है। खासकर साप्ताहिक बाजार के दिन यहां रेहड़ी, ठेले और दोपहिया वाहनों का ऐसा कब्जा होता है कि पैदल चलना भी मुश्किल हो जाता है। बस स्टैंड से बिछिया मार्ग तक की स्थिति और भी भयावह है, जहां हर दिन जाम लगना आम बात हो गई है।

डिवाइडर पर दुकानें, भारी वाहन फंसे- हैरानी की बात यह है कि सड़क के बीच बने डिवाइडर तक को नहीं छोड़ा गया है। यहां खुलेआम दुकानें सज रही हैं, जिससे भारी वाहनों के आवागमन में गंभीर बाधा उत्पन्न हो रही है। परिणामस्वरूप, हर दिन दुर्घटना का खतरा मंडरा रहा है, लेकिन जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे हैं।

ऑटो चालकों की मनमानी, जनता परेशान- घुघरी में ऑटो चालकों की लापरवाही और मनमानी ने हालात और बिगाड़ दिए हैं। कहीं भी वाहन खड़ा कर देना बिना संकेत अचानक मोड़ लेना सड़क के बीच सवारी भरना, इन सबके चलते दोपहिया वाहन चालकों और आम लोगों को रोज खतरा उठाना पड़ रहा है।

सड़क पर ही पार्किंग, हर दिन जाम- नगर में स्थिति यह है कि सड़क किनारे ही नहीं, बल्कि मुख्य मार्ग पर ही दोपहिया और चारपहिया वाहन खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे हर दिन जाम की स्थिति बनती है। साप्ताहिक बाजार हो या सामान्य दिन – घुघरी में जाम अब स्थायी समस्या बन चुका है। एम्बुलेंस भी जाम में कैद – खतरे में जान सबसे गंभीर और चिंताजनक बात यह है कि इस अव्यवस्था के कारण एम्बुलेंस तक जाम में फंस रही है। साप्ताहिक बाजार के दौरान कई बार ऐसा देखा गया है कि मरीजों को लेकर जा रही एम्बुलेंस को रास्ता नहीं मिल पाता, जो सीधे-सीधे मानव जीवन के साथ खिलवाड़ है।

प्रशासन की चेतावनी बेअसर, कार्रवाई नदारद- नवागत अनुविभागीय अधिकारी द्वारा सख्त रवैया अपनाते हुए चेतावनी दी गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत में कोई सुधार नजर नहीं आ रहा। न तो अतिक्रमण हटाया जा रहा है, न ही यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। **बड़ा सवाल – आखिर कब जागेगा प्रशासन? क्या किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार किया जा रहा है? क्या जनता को यूं ही जाम और अराजकता में जीना पड़ेगा? क्यों जिम्मेदार अधिकारी अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं?** वही घुघरी का बस स्टैंड और मुख्य सड़कें आज अव्यवस्था, अतिक्रमण और प्रशासनिक लापरवाही की जीती-जागती तस्वीर बन चुकी हैं। यदि समय रहते सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो यह समस्या किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

मंडला जिला जेल फिर विवादों के घेरे में

बंदियों से बाहरी और निजी कार्य करवाए जाने के लग रहें है आरोप

दैनिक रेवांचल टाइम्स मंडला। जिला जेल मंडला पर फिर से इन दिनों एक गंभीर आरोपों के चलते सुर्खियों में है। जेल प्रशासन पर मध्यप्रदेश कारागार नियम 1968 की अनदेखी करते हुए बंदियों से अवैध श्रम कराने, उन्हें जेल परिसर से बाहर ले जाकर कार्य में लगाने और निजी काम करवाने जैसे आरोप लगे हैं। पूरे मामले की शिकायत भोपाल स्थित महानिदेशक कारागार को भेजी गई है, जिसके बाद विभागीय हलचल तेज हो गई है।

निर्माण कार्य में बंदियों से श्रम, वित्तीय गड़बड़ी की आशंका- प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंडला जेल और नई जेल निर्माण से जुड़े कार्यों में ठेकेदार के बजाय बंदियों और सिविल बंदियों से काम लिया जा रहा है। आरोप है कि कागजों में मजदूरी भुगतान ठेकेदार को दशार्या जा रहा है, जबकि वास्तविक कार्य बंदियों से कराया जा रहा है। इससे सरकारी धन के दुरुपयोग और संभावित वित्तीय अनियमितताओं की आशंका जताई जा रही है।

हत्या के आरोपी से बाहर काम, सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल- सबसे गंभीर आरोप यह है कि धारा 302 (हत्या) के विचाराधीन बंदी को जेल से बाहर ले जाकर विद्युत कार्य में लगाया जा रहा है। जेल नियमों के अनुसार विचाराधीन बंदियों को बिना सक्षम अनुमति और सुरक्षा के बाहर ले जाना प्रतिबंधित है। ऐसे में यह मामला जेल सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

घरेलू कार्यों में बंदियों के उपयोग के आरोप- शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ बंदियों से निजी एवं घरेलू कार्य—जैसे सामान उठवाना और अन्य व्यक्तिगत कार्य—कराए जा रहे हैं। यह कारागार नियमों के विपरीत है, जिसमें स्पष्ट रूप से बंदियों से निजी लाभ लेना प्रतिबंधित है।

मजदूरी और अभिलेखों में पारदर्शिता पर सवाल- वही मजदूरी भुगतान प्रक्रिया पर भी सवाल उठे हैं। मजदूरी रजिस्टर, उपस्थिति और वास्तविक भुगतान के बीच अंतर होने की आशंका जताई गई है। साथ ही निर्माण कार्य में भुगतान और वास्तविक काम के बीच अंतर संभावित घोटाले की ओर इशारा करता है।

निकासी प्रक्रिया और रजिस्टर संधारण पर संदेह- वही सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार बंदियों को जेल से बाहर ले जाने के दौरान प्रवेश-द्वार रजिस्टर, निकासी आदेश और सुरक्षा प्रक्रिया का पालन आवश्यक होता है। शिकायत में इन प्रक्रियाओं के सही तरीके से पालन न होने की आशंका जताई गई है।

सीसीटीवी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने की मांग- वही मामले की निष्पक्ष जांच के लिए जेल परिसर, मुख्य द्वार और निर्माण स्थल के सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखने की मांग की गई है। माना जा रहा है कि यही रिकॉर्डिंग सच्चाई सामने ला सकती है।

उच्च स्तरीय जांच की मांग- मामले की गंभीरता को देखते हुए मजदूरी रजिस्टर, भुगतान अभिलेख, ठेका दस्तावेज और उपस्थिति रिकॉर्ड की जांच के साथ उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई है। अब सभी की नजर जेल विभाग की कार्रवाई पर टिकी है।

जेल या बहुउद्देश्यीय सेवा केंद्र- मंडला की जेल अब शायद ह्लसुधार गृहह्व से आगे बढ़कर ह्लसेवा केंद्रह्व बन चुकी है। यहां कैदी सिर्फ अपनी सजा नहीं काटते, बल्कि बहु-उपयोगी संसाधन बन चुके हैं—कभी मजदूर, कभी इलेक्ट्रिशियन, तो कभी घरेलू सहायक! ठेकेदारों को भी राहत—अब मजदूर ढूंढने की जरूरत नहीं, जेल में ही पूरा ह्लवर्कफोर्स पैकेजह्व उपलब्ध है। कागजों में मजदूरी इधर, काम उधर—और सिस्टम खुश। और सुरक्षा वो तो विश्वास पर चल रही है। हत्या के आरोपी भी यदि अब खुले आसमान के नीचे काम कर रहे हैं—शायद सुधार प्रक्रिया का नया मॉडल यही है! अब सवाल ये है कि ये जेल है या ह्लस्टार्टअप इंडियाह्व का कोई नया प्रयोग—जहां संसाधन कम और जुगाड़ ज्यादा चलता है। लगाए गए आरोप यदि सही है और सच है इसके साथ ही मंडला जेल का यही हाल रहा, तो आने वाले समय में बोर्ड लग सकता है— मंडला जिला जेलः काम भी, आराम भी, और सिस्टम के साथ पूरा सहयोग भी!

इनका कहना है

विगत कुछ दिनों के लिए मैं अपने निजी काम को लेकर छुट्टियों में था, इस दौरान उप जेल अधीक्षक को प्रभार दिया गया था,, हो सकता है उनके द्वारा ऐसा कोई कार्य करवाया गया हो परन्तु मेरे रहते ऐसा कोई काम कभी नहीं करवाया गया।

संजय सहलाम
जेल अधीक्षक मंडला

खामोशी को मिली पहचान

तकनीक और संवेदनशीलता ने साहिल को मिलाया उसके परिवार से

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। कहते हैं कि जब प्रशासनिक दक्षता के साथ मानवीय संवेदनाएं जुड़ जाती हैं, तो असंभव भी संभव बन जाता है। ऐसा ही एक प्रेरणादायक उदाहरण मंडला जिले में देखने को मिला, जहां लोक सेवा केंद्र, बाल गृह और जिला ई-गवर्नेंस टीम के संयुक्त प्रयासों ने एक मूक-बधिर बालक ह्यसाहिलह्न को उसके परिवार से मिला दिया। साहिल न बोल सकता था और न ही ठीक से सुन पाता था। भाषा की बाधा भी उसके लिए बड़ी चुनौती थी, क्योंकि उसे हिंदी का ज्ञान नहीं था। इस कारण वह अपनी पहचान या अपने घर का पता बताने में पूरी तरह असमर्थ था। सुरक्षा के मद्देनजर उसे मंडला के बाल गृह में रखा गया था, लेकिन उसकी पहचान एक पहेली बनी हुई थी। इस बीच एक उम्मीद की किरण तब दिखाई दी, जब बालक ने गुजराती भाषा में कुछ धुंधले संकेत लिखे। इन्हीं संकेतों को आधार बनाकर लोक सेवा केंद्र और जिला ई-गवर्नेंस टीम ने तकनीकी जांच शुरू की। आधुनिक तकनीक और आधार डेटाबेस की मदद से आखिरकार उसकी पहचान वलसाड क्षेत्र के रूप में स्थापित हुई। इसके बाद संबंधित परिजनों से संपर्क किया गया। सूचना मिलते ही साहिल की मां और बहन मंडला पहुंचीं। बाल कल्याण समिति और जिला बाल संरक्षण अधिकारी के मार्गदर्शन में सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी की गईं और अंततः साहिल को सुरक्षित उसके परिवार को सौंप दिया गया। यह पूरी घटना न सिर्फ प्रशासनिक दक्षता का उदाहरण है, बल्कि यह भी दशार्ती है कि तकनीक और संवेदनशीलता का सही समन्वय किसी के जीवन में खुशियों की नई रोशनी ला सकता है।

मंडला में तेज बारिश, ओलावृष्टि की चेतावनी जारी

मंडला। मंडला जिले में शुक्रवार को मौसम का मिजाज बदल गया। सुबह और शाम को हुई तेज बारिश और हवाओं के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे ठंडक बढ़ गई। मौसम विभाग ने शनिवार सुबह तक ओलावृष्टि और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। शुक्रवार सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच तेज हवाओं के साथ जोरदार बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार सुबह से शुक्रवार सुबह तक 3.8 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसे इस सीजन की पहली बारिश माना जा रहा है। सुबह का न्यूनतम तापमान 17.2 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले दिन के मुकाबले 1.4 डिग्री कम था। दिनभर आसमान में बादल छाए रहे, जिससे लोगों को तेज धूप और गर्मी से राहत मिली। वहीं, शाम करीब 4 बजे एक बार फिर तेज हवाओं के साथ लगभग आधे घंटे तक जोरदार बारिश हुई, जिससे ठंडक और बढ़ गई।

सूचना का अधिकार अधिनियम पर 2 दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 18 एवं 19 मार्च को माहिष्मती सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र में किया गया। यह प्रशिक्षण ई-दक्ष केंद्र मंडला के तत्वाधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में जिले के 15 विभागों के लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ) एवं सहायक लोक सूचना अधिकारी (एपीआईओ) उपस्थित रहे। प्रशिक्षण के दौरान सूचना का अधिकार अधिनियम के प्रावधानों, आवेदन प्रक्रिया, समय-सीमा, अपील प्रक्रिया तथा व्यवहारिक समस्याओं के समाधान पर विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र का संचालन वरिष्ठ प्रशिक्षक शैलेष यादव (ई-दक्ष केंद्र) एवं जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के आईटी समन्वयक शिवराम पटेल द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों को अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन एवं पारदर्शिता बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को उपयोगी बताते हुए इसे अपने कार्यक्षेत्र में लागू करने का संकल्प लिया।

अवैध रेत खनन कर परिवहन पर पुलिस ने 2 ट्रेक्टर ट्राली को जप्त कर मामला किया दर्ज

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। चौकी फुनगा पुलिस द्वारा अवैध खनन के विरूद्ध कार्यवाही की गई। जिसमें आज दिनांक 20.03.26 को मुखबिर की सूचना प्राप्त हुई कि 01 नीले रंग का ट्रेक्टर ट्रोली अवैध रेत खनिज कठना नदी से चोरी कर परिवहन कर कठना नदी तरफ से ग्राम बम्हनी तरफ आ रहा है। सूचना को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्परता से फुनगा पुलिस द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर जाकर पुलिस एवं गवाहों की मदद से ट्रेक्टर को रोका गया। मुखबिर के पहचान के आधार पर नीले रंग का स्वराज ट्रेक्टर जिसका नंबर टढ 65 ेइ 2759 पाया गया। ट्रेक्टर का चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम विक्रम सिंह पिता जयनाथ सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी झिरिया का होना बताया तथा ट्रेक्टर मालिक का नाम पता पूछने पर हरिहर प्रसाद पटेल निवासी झिरिया जिला शहडोल का होना बताया। ट्रेक्टर ट्रोली में लोड रेत के संबंध में दस्तावेज मांगने कोई भी वैध दस्तावेज ना होना केवल स्वयं का ड्राइविंग लाइसेंस होना नही बताया है। एवम् ट्रोली मे लोड रेत के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर कठना नदी से रेत लोड कर बम्हनी मे विक्रय करने हेतु ले जाना बताया । ट्रोली में 03 घन मीटर रेत कीमती 3,000/- रू. व ट्रेक्टर टॉली कीमती 700000/- कुल मशरूका 703000/- रुपये को गवाहों के समक्ष जप्त किया गया है। आरोपीयों के विरूद्ध धारा 303(2),317(5) बीएनएस,3/181,5/180 mv act व 4/21 खान खनिज अधिनियम की धाराओं में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है। दूसरे मामले में सूचना प्राप्त हुई कि 01 लाल रंग का ट्रेक्टर ट्रोली अवैध रेत खनिज गोडारु नदी से चोरी कर परिवहन कर गोडारू नदी तरफ से ग्राम छिल्पा तरफ आ रहा है। सूचना को संवेदनशीलता से लेते हुए तत्परता से फुनगा पुलिस द्वारा मुखबिर के बताए स्थान पर जाकर पुलिस एवं गवाहों की मदद से ट्रेक्टर को रोका गया। मुखबिर के पहचान के आधार पर लाल रंग का महिन्द्रा ट्रेक्टर जिसका नंबर ेस्त्र18 ' 5564 पाया गया । ट्रेक्टर का चालक से नाम पता पूछने पर अपना नाम कोमल पाव पिता बलराम पाव उम्र 20 वर्ष निवासी सद्दी थाना कोतमा का होना बताया तथा ट्रेक्टर मालिक का नाम पता पूछने पर मानोज मिश्रा निवासी सद्दी थाना कोतमा का होना बताया । ट्रेक्टर ट्रोली में लोड रेत के संबंध में दस्तावेज मांगने कोई भी वैध दस्तावेज ना होना केवल स्वयं का ड्राइविंग लाइसेंस होना नही बताया है। एवम् ट्रोली मे लोड रेत के सम्बन्ध मे पूछताछ करने पर गोडारू नदी से रेत लोड कर छिल्पा मे विक्रय करने हेतु ले जाना बताया । ट्रोली में 03 घन मीटर रेत कीमती 3,000/- रू. व ट्रेक्टर टॉली कीमती 500000/- कुल मशरूका 503000/- रुपये को गवाहों के समक्ष जप्त किया गया है। आरोपीयों के विरूद्ध धारा 303(2),317(5) बीएनएस,3/181,5/180 mv act व 4/21 खान खनिज अधिनियम की धाराओं में अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया है।

विधायक जैतपुर ने जल गंगा संवर्धन अभियान में निभाई सहभागिता, जल संरक्षण का दिया संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले में जनसहभागिता के साथ विविध गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। 19 मार्च से 30 जून तक चलने वाले इस अभियान को जनांदोलन का रूप देने हेतु जनप्रतिनिधि, अधिकारी, गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत बुढार के ग्राम पकरिया में आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी ने सहभागिता करते हुए जल संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित ग्रामीणों से जल के महत्व को समझते हुए इसके संरक्षण एवं संवर्धन के लिए सामूहिक प्रयास करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान विधायक जयसिंह मरावी, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अधिकारी दीपक मंडावी, सीईओ जनपद पंचायत बुढ़ार राजीव लघाटे, सहायक यंत्री, उपयंत्री, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव, सहित अन्य जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं स्थानीय नागरिकों द्वारा साफ-सफाई कार्य में श्रमदान किया गया। सभी ने मिलकर जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं स्वच्छता बनाए रखने की दिशा में योगदान दिया। कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन एवं प्राकृतिक संसाधनों के समुचित उपयोग के प्रति जागरूक किया गया। साथ ही यह संदेश दिया गया कि जल बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और इसके लिए जनभागीदारी अत्यंत आवश्यक है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में निरंतर विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण को जन-जन का अभियान बनाया जा सके।

चैत्र नवरात्रि पर नर्मदा मंदिर में 85 घृत ज्योति प्रज्वलित, 31 कलश स्थापित, ज्वारे बोए गए

कल्याण सेवा आश्रम में नौ दिनों तक संध्या काल हवन, श्रद्धा और भक्ति से सराबोर अमरकंटक

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर भक्तिमय वातावरण देखने को मिल रहा है। मां नर्मदा के उद्गम स्थल स्थित नर्मदा मंदिर में विशेष पूजन-अर्चन के साथ 85 घृत ज्योतियां प्रज्वलित की गईं तथा 31 कलश स्थापित कर विधि-विधान से ज्वारे बोए गए। नवरात्रि के शुभारंभ पर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। पूरे वैदिक मंत्रोच्चारण और विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना संपन्न कराई गई। नर्मदा मंदिर के पुजारी कामता प्रसाद द्विवेदी ह्यनीलू महाराजह्न द्वारा संध्या 6 बजे विशेष पूजन कराया गया, जिसमें घृत ज्योतियों के प्रज्वलन और कलश स्थापना का धार्मिक महत्व बताया गया। वहीं, स्थानीय कल्याण सेवा आश्रम में नवरात्रि के प्रथम दिवस प्रतिपदा से लेकर नवमी तक प्रतिदिन संध्या काल हवन का आयोजन किया जा रहा है। यहां मां भगवती अंबे की नियमित पूजा-अर्चना और अनुष्ठान पूरे श्रद्धा भाव से संपन्न होंगे। इसके अलावा शंकराचार्य आश्रम स्थित भगवती मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर में भी घृत एवं तेल ज्योति प्रज्वलित कर कलश स्थापना एवं ज्वारे बोए गए हैं। मंदिर में नौ दिनों तक विशेष पाठ-पूजन और धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे। चैत्र नवरात्रि के इस पावन पर्व पर अमरकंटक नगरी पूरी तरह भक्तिमय माहौल में डूबी हुई है, जहां हर ओर श्रद्धा, आस्था और भक्ति की अलौकिक छटा देखने को मिल रही है।

सिंध समाज द्वारा भगवान श्री झूलेलाल जी की जयंती उत्साह व उमंगता के साथ मनाया

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उमरिया सिंध समाज द्वारा भगवान श्री झूलेलाल जी की जयंती उत्साह व उमंगता के साथ मनाई गई, तीन दिन के इस कार्यक्रम को लेकर मंगलवार 17 मार्च को (एक दौड़ भगवान झूलेलाल के नाम)से समाज के सैकड़ो ,बुजुर्गों ,युवाओं व बच्चों द्वारा सुबह 8 बजे मैराथन रेस का आयोजन किया गया, जो कि नगर के अनेक चौराहों से होती हुई श्री झूलेलाल मंदिर में संपन्न हुई, 19 मार्च दिन गुरुवार को सिंध समाज की मातृशक्तियों शक्तियों द्वारा झूलेलाल साई की स्तुति में लीन होकर सुबह 6 बजे श्री झूलेलाल मंदिर सिंधी कॉलोनी ,से एक दिव्य प्रभात फेरी निकाली गई, जो कि नगर भ्रमण करते हुए स्वर्ण भूमि कॉलोनी पहुंची ,वहां पर इस प्रभात फेरी का स्वागत सत्कार किया गया ,और जलपान भी कराया गया तत्पश्चात झूलेलाल मंदिर से मातृशक्तियों की एक वाहन रैली भी निकाली गई, जो नगर भ्रमण करते हुए झूलेलाल मंदिर सिंधी कॉलोनी में समाप्त हुई । 20 मार्च दिन शुक्रवार को श्री झूलेलाल जन्मोत्सव की खुशी में सुबह 6 बजे सिंध समाज जनों द्वारा एक प्रभात फेरी निकाली गई ,उसके बाद सुबह 9 बजे विशाल व भव्य ऐतिहासिक वाहन रैली भी निकाली गई ,जो की आयोलाल झूलेलाल के गगन भेदी जयकारों के साथ नगर भ्रमण करते हुए पीटीएस ग्राउंड में झूलेलाल मंदिर की पूजा आराधना करते हुए , स्टेशन चौराहा होते हुए शिवशक्ति धाम पहुंची, जहां पर विशाल व मनमोहन रूप में विराजमान श्री झूलेलाल भगवान की आरती की गई, और कई स्वादिष्ट व्यंजन समाजजनों के लिए परोसे गए ,बाद में यह वाहन रैली श्री झूलेलाल मंदिर में समाप्त हुई तत्पश्चात वहीं मंदिर में पंडित जी द्वारा पूरे विधि विधान से बहराना साहब की पूजा आराधना पूरे सिंध समाज उमरिया द्वारा की गई, श्री झूलेलाल जयंती के उपलक्ष्य में मंगल भवन प्रांगण में सुबह 11 बजे से बाहर से आए हुए कलाकारों द्वारा एक भक्तिमय प्रस्तुति दी गई, कई नृत्य कलाकारों द्वारा झांकिया भी प्रस्तुत कई की गई ,दोपहर 1 बजे सदैव की ही तरह वहीं पर सर्वसमाज के लिए विशाल भंडारे का आयोजन सिंध समाज उमरिया द्वारा किया गया, शाम को 6 बजे श्री झूलेलाल साई जी शोभा यात्रा और मनमोहक, प्रेरणादायक झांकियां निकाली गई जो की जन आकर्षक का केंद्र रहीं, समस्त नगर का भ्रमण करते हुए शोभायात्रा खलेसर घाट पहुंची, इसके पश्चात समाज जनों द्वारा पूजा अर्चना कर पूरे समाज और विश्व शांति के लिए साई झूलेलाल जी से प्रार्थना की।

अमरकंटक से शुरू हुई 15 दिवसीय ह्यसनातन एकता यात्रा, धर्म जागरण का संदेश, उमड़ा सनातनियों का जनसैलाब

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। राम नवमी और हनुमान जयंती के पावन अवसर पर अमरकंटक से 15 दिवसीय सनातन एकता यात्रा का भव्य शुभारंभ हुआ यात्रा का नेतृत्व संयोजक जेपी साहू कर रहे हैं, यात्रा के शुभारंभ के दौरान बड़ी संख्या में सनातन धर्मावलंबियों की उपस्थिति रही और पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर अमरकंटक में विशेष पूजा-अर्चना के साथ यात्रा का विधिवत प्रारंभ किया गया यात्रा का उद्देश्य शहडोल संभाग में सनातन संस्कृति, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता का संदेश जन-जन तक पहुंचाना है, यात्रा के दौरान विभिन्न गांवों और नगरों में धार्मिक कार्यक्रम, भजन-कीर्तन, धर्मसभा और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। यात्रा के संयोजक जेपी साहू ने कहा कि सनातन एकता यात्रा का उद्देश्य समाज में धार्मिक चेतना को मजबूत करना और सनातन संस्कृति की परंपराओं को जन-जन तक पहुंचाना है, उन्होंने कहा कि आज समाज को एकजुट होकर अपनी संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए आगे आना होगा। यात्रा के शुभारंभ में बड़ी संख्या में साधु-संत, धर्मप्रेमी और स्थानीय नागरिक शामिल हुए पूरे क्षेत्र में जय श्रीराम और जय बजरंगबली के जयघोष के साथ यात्रा का स्वागत किया गया आगामी दिनों में यह यात्रा शहडोल संभाग के विभिन्न जिलों और गांवों से होकर गुजरेगी, जहां धर्म जागरण और सामाजिक एकता का संदेश दिया जाएगा। आयोजकों के अनुसार 15 दिनों तक चलने वाली यह यात्रा धार्मिक आस्था और सामाजिक समरसता का संदेश लेकर पूरे संभाग में जनजागरण का कार्य करेगी।

समग्र विकास के लिए केंद्र एवं राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित - विधायक बांधवगढ

स्वास्थ्य,शिक्षा,पोषण और कृषि में क्रांति लाएगा संपूर्णता अभियान - कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। आकांक्षी विकासखंड योजना अंतर्गत संपूर्णता अभियान 2.0 के तहत मानपुर स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक मानपुर मीना सिंह ने कहा कि केंद्र एवं प्रदेश कि सरकार सभी वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए कृत संकल्पित है। सम्पूर्णता अभियान 2.0 के तहत मानपुर में आयोजित कार्यक्रम का सभी ग्रामीण एवं शहरवासी लाभ उठाएं। प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीणों की समस्याओं का निराकरण करने के लिए संकल्प से समाधान अभियान का संचालन किया जा रहा है ।अगर कोई व्यक्ति किसी योजना का लाभ पाने से किसी कारण वश वंचित रह गए है, तो वह योजना का लाभ पाने के लिए पात्रतानुसार आवेदन करें। उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह करते हुए कहा कि अभियान के तहत प्राप्त होने वाले आवेदनों का प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए, ताकि समय सीमा में ग्रामीण जनों को इसका लाभ मिले सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं को लाड़ली बहना योजना के तहत 1500 की राशि प्रतिमाह दी जा रही है। इसी तरह मप्र ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत महिलाएं स्व सहायता समूहों का गठन करके अपनी आजीविका चला रही है ।आज के दौर में महिलाएं स्वयं शसक्त होने के साथ साथ अपने परिवार को भी नई ऊंचाई प्रदान कर रही हैं। आज महिलाएं पुरुषों के साथ साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर क्षेत्र में कार्य कर रही हैं ।किसानों को पी एम किसान सम्मान निधि एवं मुख्यमंत्री किसान कल्याण योजना का लाभ दिया जा रहा है ।उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार गरीब,युवा,किसान और महिलाओं को शसक्त करने के लिए विभिन्न योजनाओं का संचालन कर रही है,जिसका परिणाम है कि भारत आज विश्व की चौथी सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था में बन पाया है। इसी प्रकार कलेक्टर धरणेंद्र जैन ने कहा कि नीति आयोग भारत सरकार के निर्देशन में संपूर्णता अभियान 2.0 कार्यक्रम आयोजित किया गया है। अभियान के तहत 6 संकेतकों पर कार्य किया जाना है। अभियान के माध्यम से आईसीडीएस कार्यक्रम के तहत नियमित रूप से पूरक पोषण लेने वाले 6 माह से 6 वर्ष तक के बच्चों का प्रतिशत, रिपोटिंग माह के दौरान आंगनबाडी केंद्रों पर नामांकित बच्चों की दक्षता मापना, क्रियाशील शौचालयों के साथ क्रियाशील आंगनवाड़ी केंद्रो का प्रतिशत, पेयजल सुविधाओं के साथ क्रियाशील आंगनबाडी केंद्रो का प्रतिशत,स्कूलों की कुल संख्या के मुकाबले लड़कियों के लिए शौचालयों की संख्या वाले विद्यालयों का प्रतिशत, गोजातीय टीकाकरण से टीकाकृत पशुओ का प्रतिशत शामिल है ।उन्होंने सभी को विश्वास दिलाया कि सभी संकेतकों के निर्धारित लक्ष्य को 14 अप्रैल तक पूर्ण कर लिया जाएगा।

विज्ञापन के लिए 500 के नोट पर स्कूल का प्रचार, शिकायत दर्ज, पुलिस ने जांच की शुरू

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। जिले में भारतीय मुद्रा के अपमान और उसके व्यावसायिक दुरुपयोग का एक गंभीर मामला सामने आया है। नगर के एक प्रतिष्ठित विद्यालय, 'लिटिल स्टेप स्कूल' पर आरोप लगा है कि उसने अपने प्रचार-प्रसार के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी 500 रुपये के नोटों का उपयोग किया है। इस कृत्य को लेकर कोतवाली पुलिस को एक औपचारिक शिकायत सौंपी गई है।

शिकायत के अनुसार, लिटिल स्टेप स्कूल प्रबंधन द्वारा विद्यालय के प्रचार हेतु 500 रुपये के नोट की फोटोकॉपी करके (सीरियल नंबर 6ऊए868995) पर विद्यालय का नाम और पता छापकर उन्हें विज्ञापन के तौर पर वितरित किया जा रहा है। इन नोटों पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तस्वीर अंकित है, जिसके ऊपर विज्ञापन की छपाई करना सीधे तौर पर राष्ट्रीय प्रतीकों का अपमान माना जा रहा है।

शिकायत पत्र में भारतीय न्याय संहिता की गंभीर धाराओं का हवाला देते हुए बताया गया है कि धारा 180 भारतीय मुद्रा के कूटकरण या उससे छेड़छाड़ से संबंधित है। जिसमें सजा का प्रावधान है वही धारा 191 यह सरकारी मुद्रा के दुरुपयोग और उसके अपमान से संबंधित है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुसार, मुद्रा नोटों पर कुछ भी लिखना या उन्हें विरूपित करना कानूनी रूप से वर्जित है। निजी विज्ञापनों के लिए राष्ट्रीय मुद्रा का उपयोग करना न केवल एक वैधानिक अपराध है, बल्कि यह देश की संप्रभुता के प्रति अनादर को भी दर्शाता है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली थाना प्रभारी ने शिकायत को संज्ञान में लिया है। पुलिस प्रशासन द्वारा इस प्रकरण की निष्पक्षता से जांच के आदेश दे दिए गए हैं। थाना प्रभारी ने स्पष्ट किया है कि जांच में तथ्य सही पाए जाने पर स्कूल प्रबंधन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की सुसंगत धाराओं के तहत एफआईआर (प्राथमिकी) दर्ज की जाएगी। वही शिकायतकर्ता द्वारा साक्ष्य के तौर पर विज्ञापन में उपयोग किए जा रहे 500 के नोट की प्रति भी पुलिस को संलग्न की गई है।

संपादकीय

युद्ध कैसे समाप्त होगा ?

अब यह सवाल इतना मौजू नहीं है कि ईरान युद्ध कितना लंबा चलेगा? कब समाप्त होगा? अब यह बुनियादी सवाल और गहरी चिंता है कि युद्ध कैसे समाप्त होगा? युद्ध के 20 दिन गुजर चुके हैं। अमरीका-इजरायल के हवाई हमलों ने ईरान को कब्रिस्तान-सा बना दिया है। ईरान ने भी इजरायल की राजधानी तेल अवीव को खंडहर में तबदील कर दिया है। धार्मिक शहर येरुशलम भी छलनी हुआ है। इजरायल की 12,000 से अधिक इमारतें या तो क्षतिग्रस्त हुई हैं अथवा जमींदोज होकर मिट्टी-मलबा हो चुकी हैं। अब लगता है कि ईरान या तो खुद मिट्टी हो जाएगा अथवा इजरायल का अस्तित्व भी मिटा कर रहेगा! दोनों देशों में चरम की स्थिति है। कोई भी रात कयामत की रात साबित हो सकती है। ईरान ने खाड़ी देशों की सम्पन्नता के प्रतीक तेल ठिकानों, क्षेत्रों और रिफाइनरियों को जला कर खाक कर दिया है। उन देशों ने उत्पादन या तो बंद कर दिए हैं अथवा बहुत कम करने पड़े हैं। हवाई अड्डे तबाह, बर्बाद कर दिए गए हैं। पर्यटन को लेकर 60 करोड़ डॉलर प्रतिदिन का नुकसान झेलना पड़ रहा है। खाड़ी देशों की अर्थव्यवस्था 12-15 फीसदी गिर चुकी है। डॉलर बुरी तरह पिट रहा है, नतीजतन अमरीकी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हुई है। अमरीका को अभी तक करीब 17 अरब डॉलर युद्ध पर खर्च करने पड़े हैं, लिहाजा वहां भी असंतोष और आक्रोश है। ईरान लगभग तबाह, ध्वस्त हो चुका है। उसके 56 शीर्ष नेताओं की हत्या की जा चुकी है। उनमें सुप्रीम लीडर खामेनेई और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रमुख लारिजानी भी शामिल हैं। अब इजरायल ने नए सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का भी डेथ वारंट जारी कर दिया है। ईरान के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मुख्य न्यायाधीश, विदेश मंत्री और संसद के स्पीकर आदि को भी टारगेट तय कर लिया गया है। ईरान की ऐतिहासिक इमारतें, रिहायशी घर और 200 से अधिक अस्पताल मिट्टी-मलबा हो चुके हैं। करीब 1500 लोग मारे जा चुके हैं और 12,000 से अधिक घायल हैं। करीब 32 लाख लोग बेघर हो चुके हैं। यह संयुक्त राष्ट्र रिफ्यूजी एजेंसी की रपट है। विश्व खाद्य कार्यक्रम ने कहा है कि यदि युद्ध जून तक जारी रहा, तो करीब 4.5 करोड़ लोग भुखमरी का सामना करेंगे। तेल-संकट के कारण ऐसा होगा। इनके बावजूद ईरान में पुरानी हुकूमत कायम है, उसके परमाणु कार्यक्रम पहाड़ों के भीतर 400 मीटर की गहराई में बदस्तूर जारी हैं, समुद्र के नीचे ईरान का मिसाइल शहर अब भी जिंदा है और वहां से मिसाइल हमले कर दुश्मन को क्षत-विक्षत किया जा रहा है। ईरान का दावा है कि उसने 200 से अधिक अमरीकी सैनिकों को मारा है, करीब 3000 घायल हैं, करीब 150 मिसाइल लॉन्चर ध्वस्त किए हैं और डिफेंस, रडार सिस्टम विनष्ट किए हैं। अमरीकी सैन्य अहंकार के प्रतीक जेराल्ड फोर्ड और लिंकन जैसे विमानवाहक युद्धपोतों को अमरीका लौटना पड़ा है। राष्ट्रपति ट्रंप के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रहे जॉन बोल्टन का कहना है कि ट्रंप ईरान युद्ध में बुरी तरह फंस गए हैं। युद्ध उनके लिए गले की फांस बन चुका है। युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता दिख नहीं रहा है। विडंबना है कि ट्रंप इजरायल की लड़ाई लड? को बाध्य हैं। ट्रंप के प्रशासनिक ढांचे में ही अंतर्विरोध उभरने लगे हैं। राष्ट्रीय आतंकवाद-रोधी विभाग के निदेशक जो केंट ने यह कहते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया है कि ईरान से अमरीका को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था, लिहाजा यह युद्ध समझ के परे है। नाटो और यूरोपीय देशों ने भी राष्ट्रपति ट्रंप को ठेंगा दिखाते हुए युद्ध में शामिल होने या होर्मुज में जहाज भेजने से इंकार कर दिया है। यह इंकार ट्रंप के अहंकार को खारिज करता है। बहरहाल जिस युद्ध से भारत, जापान, चीन समेत विश्व के 85 देश प्रभावित हो रहे हैं, उस युद्ध का समापन कैसे होगा? यह सवाल सभी के लिए अनुत्तरित है। कई स्तरों पर विश्व नेता आपस में बातचीत कर रहे हैं। अरब-इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों की भी बैठक हुई है, लेकिन ईरान अब भी युद्धविराम को तैयार नहीं है। इजरायल का बहुत पुराना मंसूबा है कि ईरान को खत्म करना है। दुनिया क्या करेगी? भारत का पक्ष यह है कि यह समय युद्ध का नहीं है। हमने हमेशा शांति की वकालत की है। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी भारत ने शांति का पक्ष लिया है। अब ईरान-इजरायल लड़ाई को लेकर भी भारत यही चाहता है कि समस्या को बातचीत से सुलझाया जाए। विध्वंसक रास्ते से शांति कायम नहीं हो सकती। युद्ध में दोनों पक्षों की हानि ही होती है।

जम्मू-कश्मीर का सामाजिक यथार्थ

महाराजा रणवीर सिंह (1857–1885) के कार्यकाल में तो घर वापसी की यह योजना काफी आगे बढ़ गई थी। एटीएम अपनी कम संख्या के कारण महाराजा गुलाब सिंह की सरकार से लड़ भी नहीं सकते थे। कैसे इस सत्ता को हटाया जाए और प्रत्यक्ष या परोक्ष सत्ता फिर से उनके हाथ में आ जाए? फिलहाल तो देसी शासकों की हां में हां मिलाने के सिवाय कोई रास्ता नहीं था। यही कारण था कि एटीएम समय के फेर समझकर महाराजा गुलाब सिंह व उसके बाद उसके उत्तराधिकारियों के पक्ष में हो गया। ऐसे समय पर एटीएम को लग रहा था कि उसका शिकंजा कश्मीरी मुसलमानों पर ढीला पड़ता जा रहा था या फिर भविष्य में ढीला पड़ सकता है, इसलिए उनके मन–मस्तिष्क को उसी प्रकार नियंत्रण में रखने की जरूरत है, जिस प्रकार अलीगढ़ में सर सैयद अहमद खान कर रहा था। कश्मीर घाटी में यह काम ज्यादा सरल था, क्योंकि घाटी की लगभग नब्बे प्रतिशत जनता मतांतरित हो ही चुकी थी। महाराजा रणजीत सिंह ने सप्त सिंधु क्षेत्र में से विदेशी शासकों को पराजित कर और वहां के छोटे–छोटे राजाओं को एक राज्य में मिलाकर पूरे सप्त सिंधु क्षेत्र में एकीकरण व आजादी का बिगुल बजा दिया था। जिन दिनों पश्चिमोत्तर में महाराजा रणजीत सिंह मुगलों व अफगानों से लोहा लेते हुए पुनः स्वराज्य की स्थापना का प्रयास कर रहे थे, उन दिनों कश्मीर घाटी में भी विदेशी अफगानी सत्ता से छुटकारा पाने की सुगबुगाहट शुरू हो गई थी। कश्मीरियों का एक प्रतिनिधिमंडल इस प्रश्न पर विचार करने के लिए लाहौर भी गया था। कश्मीर से अफगानियों को निकालने के महाराजा रणजीत सिंह के प्रारंभिक प्रयास सफल नहीं हुए, लेकिन अंततः रणजीत सिंह और कश्मीरियों ने मिलकर कश्मीर घाटी से भी इन विदेशी शासकों का अंत कर ही दिया।

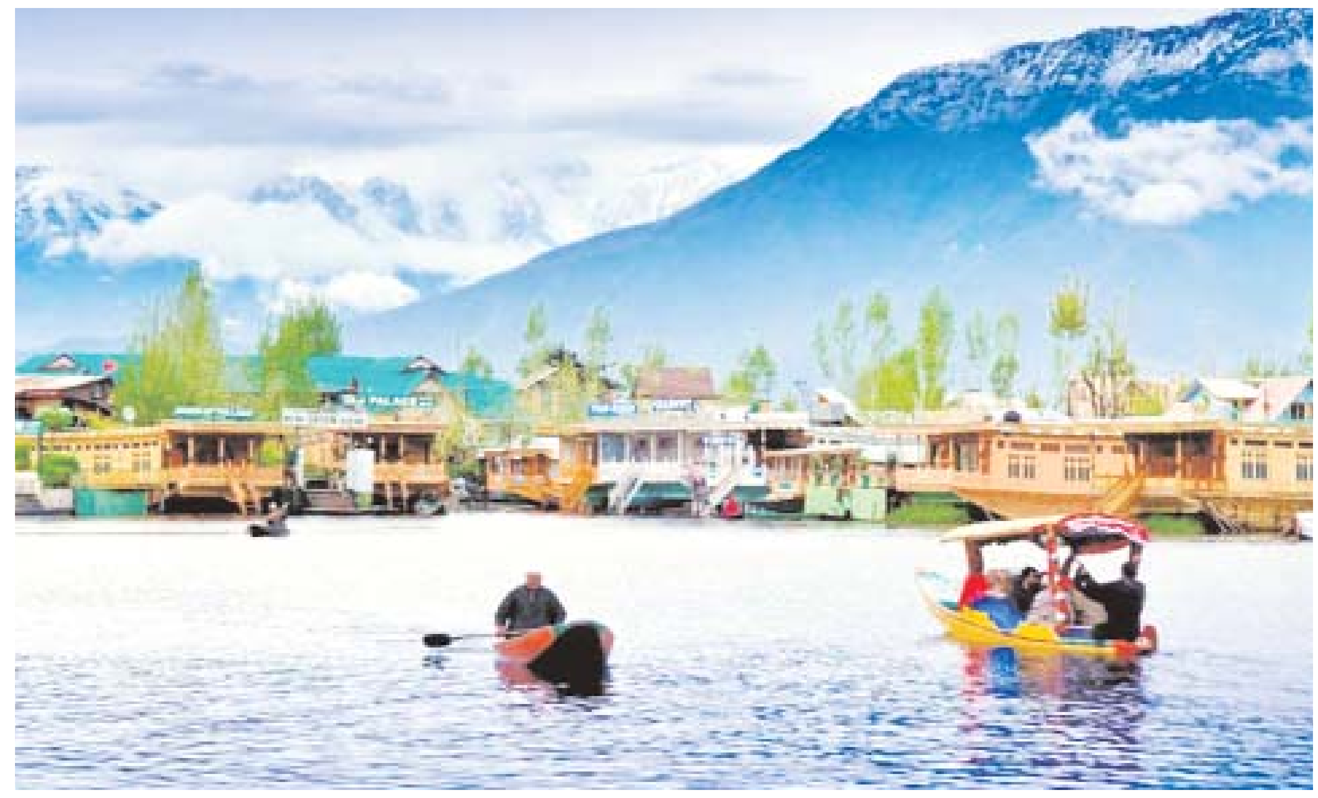

इसमें महाराजा गुलाब सिंह की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी। रणजीत सिंह ने जम्मू के राजा के तौर पर गुलाब सिंह का अखनूर में चिनाब नदी के किनारे जिया पोटा स्थान पर राजतिलक किया। उसके बाद गुलाब सिंह ने इस पर्वतीय क्षेत्र के छोटे-छोटे सामंतों का एकीकरण शुरू किया। गुलाब सिंह ने तो गिलगित, बाल्तिस्तान तक को विदेशी शासन से मुक्त करवा लिया था। रणजीत सिंह और गुलाब सिंह के इस अभियान से सीमांत पेशावर से लेकर श्रीनगर तक विदेशी सत्ता उखड़ गई। लेकिन महाराजा रणजीत सिंह द्वारा कश्मीर घाटी को मुक्त करवा लेने से पहले ही कश्मीर घाटी में कश्मीरी सांस्कृतिक धारा के समानांतर एटीएम (अरब, तुर्क, मुगल-मंगोल) सांस्कृतिक धारा स्थापित हो चुकी थी।

इन दोनों धाराओं में भयंकर आंतरिक संघर्ष चलता रहता था। लेकिन अब कश्मीर के इस पूरे परिदृश्य में महाराजा रणजीत सिंह और महाराजा गुलाब सिंह के आ जाने से हालात बदल गए। मुगल-अफगान शासकों का स्थान स्थानीय शासकों ने ले लिया। जम्मू-कश्मीर की सत्ता प्रदेश के लोगों के ही हाथ आ गई थी। 1846 में महाराजा गुलाब सिंह संपूर्ण जम्मू-कश्मीर रियासत के महाराजा बने और उसके साथ ही एटीएम का दबदबा भी हवा में झूलने लगा। यह पीड़ा भी एटीएम को भीतर ही भीतर सता रही थी। इसका कारण एटीएम की नगण्य संख्या था। कश्मीर घाटी में एटीएम मूल के मुसलमानों की जनसंख्या पांच प्रतिशत से कभी ज्यादा नहीं रही। लेकिन नगण्य जनसंख्या के बावजूद एटीएम का दबदबा 95 प्रतिशत कश्मीरी देसी मुसलमानों (डीएम) पर बराबर बना हुआ था। शाहमीर व चक वंश के शासन में एटीएम का राज तो चाहे नहीं था, लेकिन शासकों के हम-मजहब होने के कारण दबदबा तो था ही। मसजिदों पर कब्जा भी था। मुगल और अफगान काल में तो उन्होंने सत्ता को संभाला था। अब एटीएम को शासन की सहायता मिलनी बंद हो गई थी। अभी तक एटीएम ने कश्मीर में जो सफलता प्राप्त की थी, वह शासन के बलबूते ही की थी। लेकिन अब विदेशी शासन से मुक्त होने पर कश्मीरी समाज ने राहत की सांस ली। सत्ता का आभामंडल छिन जाने से एटीएम का दर्द-ए-दिल तो वही जान सकते थे। यदि कश्मीरी मुसलमान वापस अपने पुराने घर में चले गए तो एटीएम की सत्ता तो दूर की बात थी, इनको खाने के भी लाले पड़ सकते थे। मसजिदों में दान-दक्षिणा तो देसी मुसलमान ही चढ़ाता था।

एटीएम चौकन्ना हो गया था। उनकी अपनी संख्या तो जलते तवे पर पानी की बूंद के समान थी। उन्हें अपने उद्देश्य की पूर्ति इन्हीं कश्मीरियों की इस्लाम या शिया पंथ में मतांतरित फौज के माध्यम से ही करनी थी। यदि यह सेना ही उनका हरा पटका फेंककर वापस अपनी पुरानी छावनियों में लौट गई तो फिर उनका सब कुछ दांव पर लग जाना था। बीच-बीच में खबरें उड़ती रहती थीं कि कश्मीरी देसी मुसलमान फिर अपने पुरखों की विरासत में वापस लौटने की तैयारी कर रहा है। कश्मीर के नए गवर्नर हरि सिंह नलवा ने घोषित कर दिया था- ह्यजिन कश्मीरियों या उनके पूर्वजों को मुगलों व अफगानों के अत्याचारी शासन काल में बलपूर्वक इसलाम पंथ या शिया पंथ में शामिल कर लिया गया था, वे पुनः अपने परंपरागत मत में वापस आ सकते हैं। यदि कश्मीरी मुसलमान वापस अपने पुराने घर में चले गए तो एटीएम की सत्ता तो दूर की बात थी, इनको खाने के भी लाले पड़ सकते थे। एटीएम चौकन्ना हो गया था। उनकी अपनी संख्या तो जलते तवे पर पानी की बूंद के समान थी। उन्हें अपने उद्देश्य की पूर्ति इन्हीं कश्मीरियों की इसलाम या शिया पंथ में मतांतरित फौज के माध्यम से ही करनी थी। हरि सिंह नलवा ने जो शुद्धि आंदोलन चलाया, उससे पचास हजार कश्मीरी पुनः अपने धर्म में वापस आ गए।ह्व इससे कश्मीरियों में नई प्रकार की हलचल शुरू हो गई थी।

महाराजा रणवीर सिंह (1857-1885) के कार्यकाल में तो घर वापसी की यह योजना काफी आगे बढ़ गई थी। एटीएम अपनी कम संख्या के कारण महाराजा गुलाब सिंह की सरकार से लड़ भी नहीं सकते थे। कैसे इस सत्ता को हटाया जाए और प्रत्यक्ष या परोक्ष सत्ता फिर से उनके हाथ में आ जाए? फिलहाल तो देसी शासकों की हां में हां मिलाने के सिवाय कोई रास्ता नहीं था। यही कारण था कि एटीएम समय के फेर समझकर महाराजा गुलाब सिंह व उसके बाद उसके उत्तराधिकारियों के पक्ष में हो गया। ऐसे समय पर एटीएम को लग रहा था कि उसका शिकंजा कश्मीरी मुसलमानों पर ढीला पड़ता जा रहा था या फिर भविष्य में ढीला पड़ सकता है, इसलिए उनके मन-मस्तिष्क को उसी प्रकार नियंत्रण में रखने की जरूरत है, जिस प्रकार अलीगढ़ में सर सैयद अहमद खान कर रहा था। कश्मीर घाटी में यह काम ज्यादा सरल था, क्योंकि घाटी की लगभग नब्बे प्रतिशत जनता मतांतरित हो ही चुकी थी। जगह जगह मसजिदों की श्रृंखला बन चुकी थी। उनमें सैयद मुल्लाओं का पूरी तरह से नियंत्रण था। एटीएम की इस मानसिकता में ही कश्मीर घाटी की वर्तमान समस्याओं को समझा जा सकता है। लेकिन जैसे ही 1930 के आसपास कश्मीर के देसी कश्मीरी मुसलमान सत्ता से लड? लगे तो एटीएम के लिए तो बिल्ली के भाग्य से छींका टूटा। वे तुरंत देसी मुसलमानों की सफों में शामिल हो गए। कश्मीर के वर्तमान को समझने के लिए जम्मू-कश्मीर के इस सामाजिक यथार्थ को समझना आवश्यक है।

राशिफल

मेष राशि :- समाज में मान प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि के साधन प्राप्त करें, कार्य व्यवस्था हो।

वृष राशि :- आर्थिक योजना सफल हो, सर्तकता एवं तटस्थता से चलकर कार्य करें।

मिथुन राशि :- प्रत्येक कार्य में परेशानी व चिन्ता व्यग्रता असमंजस में रखे कार्य हो।

कर्क राशि :- दैनिक कार्यगति मंद रहे, असमर्थता का वातावरण, मन संदिग्ध रहेगा, कार्य करे।

सिंह राशि :- तनाव क्लेश व अशांति, वृथा धन का व्यय तथा समय समय नष्ट होगा।

कन्या राशि :- स्त्री शारीरिक, सुख भोग ऐश्वर्य सामाजिक कार्यों में मान प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला राशि :- विभ्रम आरोपों से अशांति तथा स्वास्थ्य नरम अवश्य रहेगा।

वृश्चिक राशि :- आशानुकूल सफलता का हर्ष, कार्यगति उत्तम, चिन्ता निवृत्ति होगी।

धनु राशि :-इष्टमित्र सुखवर्धक हो, कार्यगति उत्तम चिंता निवृत्ति होगी।

मकर राशि :- परिश्रम से कुछ सफलता के साधन जुटाए, मान प्रतिष्ठा प्रभुत्व वृद्धि होगी।

कुंभ राशि :- मनोवृत्ति संवेदनशील रहे, स्त्रीवर्ग से सुख भोग, ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी।

मीन राशि :- लेनदेन में हानि, दूसरों के कार्यों में समर्थन नष्ट होगा, समझ से काम करे।

नई दुनिया में कदम रखने जा रही सई मांजरेकर, मौजूदा वक्त से पूरी तरह अलग

मुंबई। यह प्रोजेक्ट उनके लिए एक बड़ा बदलाव है। सई का कहना है कि इस फिल्म की तैयारी काफी गहन, चुनौतीपूर्ण और उनके लिए बिल्कुल नया अनुभव रही है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सई ने बताया कि इस किरदार ने उन्हें एक्टिंग को एक अलग नजरिए से समझने के लिए प्रेरित किया है। उस दौर के सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल को समझने से लेकर अपनी बॉडी लैंग्वेज, बोलने का तरीका और हाव-भाव बदलने तक, उन्होंने इस किरदार के लिए काफी रिसर्च और मेहनत की है ताकि वह उस समय को सही तरीके से पर्दे पर दिखा सकें। अपने अनुभव के बारे में सई ने कहा कि यह प्रोजेक्ट मेरे लिए अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्राओं में से एक रहा है।

<u>बॉलीवुड अभिनेत्री सई एम. मांजरेकर प्री–इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं। सई एम. मांजरेकर जल्द ही एक ऐसी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं, जो आज के समय से बिल्कुल अलग है। वह एक प्री–इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा की तैयारी कर रही हैं।</u>

खासकर प्री-इंडिपेंडेंस दौर पर आधारित पीरियड ड्रामा के लिए सिर्फ डायलॉग याद करना और सेट पर पहुंच जाना काफी नहीं होता। इसमें बहुत तैयारी करनी पड़ती है झ उस समय के बारे में पढ ?ा, रिसर्च करना, यह समझना कि लोग कैसे रहते थे, कैसे बात करते थे, कैसे खुद को प्रस्तुत करते थे और अपनी भावनाएं कैसे व्यक्त करते थे। उस दौर में हर चीज एक अलग अनुशासन और सादगी से जुड़ी होती थी, जो आज की दुनिया से काफी अलग है। सई ने कहा कि मुझे सबसे ज्यादा इस प्रक्रिया की बारीकियां आकर्षित करती हैं। आपकी बॉडी लैंग्वेज, बैठने-उठने का तरीका, कमरे में प्रवेश करने का अंदाज या बिना कुछ कहे प्रतिक्रिया देना झ कुछ भी आधुनिक नहीं लगना चाहिए। इसके लिए आपको अपनी कई आदतों को छोडकर एक नई शारीरिक और भावनात्मक शैली अपनानी पड़ती है। यह मुश्किल जरूर है, लेकिन यही इसे खास बनाता है। एक अभिनेता के तौर पर मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे ऐसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला, जो मुझे एक अलग दौर को समझने और खुद को बेहतर बनाने का मौका दे रही है। इस प्रोजेक्ट को लेकर सई काफी उत्साहित हैं और उनका मानना है कि इस फिल्म ने उन्हें धैर्य, अनुशासन और अभिनय के कई अहम पहलू सिखाए हैं। अब वह इस फिल्म के जरिए इतिहास से जुड़ी कहानी को पूरी सच्चाई और गहराई के साथ दर्शकों तक पहुंचाने के लिए तैयार हैं, जो उनके करियर का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हो सकती है।

मातृभूमि का गाना चांद देख लेना रिलीज

मुंबई। बॉलीवुड स्टार सलमान खान की आने वाली फिल्म मातृभूमि मे वार रेस्ट इन पीस का गाना चांद देख लेना गाना रिलीज हो गया है। सलमान खान फिल्म्स ने मातृभूमिः मे वार रेस्ट इन पीस से सलमान खान और चित्रांगदा सिंह पर फिल्माया गया पूरा गाना चांद देख लेना रिलीज कर दिया है। यह गाना चांद के इमोशनल महत्व को बहुत खूबसूरती से दिखाता है, जो ईद और करवा चौथ दोनों का ही एक बड़ा हिस्सा है। जहाँ ईद पर चांद का दिखना जश्न और मिलन का प्रतीक है, वहीं करवा चौथ पर यह प्यार, इंतजार और भरोसे को दिखाता है। चांद देख लेना इन दोनों परंपराओं को भावनाओं और उम्मीद के जरिए एक साथ पिरोता है। फिल्म के टाइटल ट्रैक मातृभूमि को लोगों ने खूब पसंद किया और इसे 50 मिलियन से ज्यादा व्यूज मिले। फिर वेलेंटाइन डे पर मैं हूं गाना आया और अब इस नए गाने चांद देख लेना ने फिल्म की कहानी और इसके म्यूजिक को लेकर फैंस का उत्साह और भी बढ़ा दिया है।

हिमेश रेशमिया के संगीत से सजा यह गाना बॉलीवुड के पुराने और सच्चे प्यार की याद दिलाता है। यह गाना एक सैनिक की ड्यूटी और उसके रिश्तों के बीच के इमोशनल सफर को बहुत ही खूबसूरती से दिखाता है। वीडियो में चित्रांगदा सिंह का किरदार एक फौजी की पत्नी की हिम्मत और सब्र को दिखाता है, जो सरहद पर तैनात अपने पति (सलमान खान) का घर लौटने का इंतजार करती हैं। यह गाना उन परिवारों की ताकत को सलाम करता है जो देश की रक्षा करने वालों के पीछे चट्टान बनकर खड़े रहते हैं। संगीत की दुनिया में कुछ नया करने के लिए सलमान खान ने इस गाने के जरिए नए टैलेंट को मौका दिया है। चांद देख लेना को युवा गायक निहाल टौरो, जो अपने आध्यात्मिक भजनों और कीर्तनों के लिए मशहूर हैं, और अंकोना मुखर्जी ने गाया है। सलमान खान ने अपनी परंपरा को बरकरार रखते हुए इन दोनों गायकों को मेनस्ट्रीम सिनेमा में एक बड़ा ब्रेक दिया है। पहले इस फिल्म का नाम बैटल ऑफ गलवान था, लेकिन अब इसे बदलकर मातृभूमिः में वार रेस्ट इन पीस कर दिया गया है। यह बदलाव फिल्म की कहानी के पीछे छिपे गहरे जज्बात और जंग के बीच इंसानियत के संदेश को दिखाने के लिए किया गया है। यह फिल्म बहादुरी, कुबार्नी और मुश्किलों से लड? की एक सच्ची झलक पेश करने का वादा करती है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी एक बहुत ही अहम रोल में नज? आएंगी।

करण जौहर की नजदीकियां में नज? आएंगे ताहा शाह बदुशा

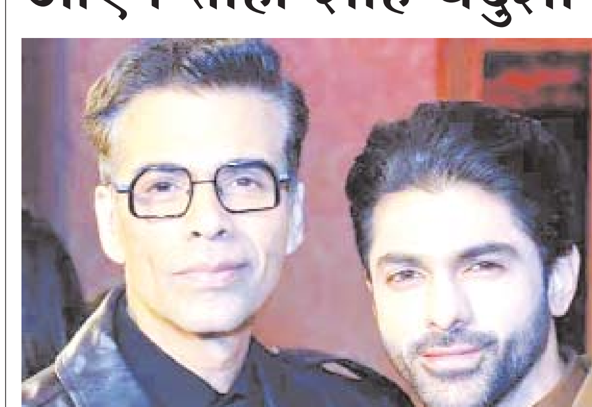

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता ताहा शाह बदुशा फिल्मकार करण जौहर के नए प्रोजेक्ट नजदीकियां ने नजर आयेंगे। संजय लीला भंसाली की हीरामंडी में अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को प्रभावित करने के बाद से ताहा शाह बदुशा अपने करियर में लगातार मजबूती हासिल करते जा रहे हैं। संजय लीला भंसाली के बाद फिलहाल ताहा,करण जौहर के नए प्रोजेक्ट नजदीकियां के साथ आ रहे हैं, जिसमें उनके साथ परेश पाहुजा, आकांक्षा सिंह और निकिता दत्ता भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। आधुनिक रिश्तों और गहरी भावनाओं पर आधारित यह कहानी दर्शकों को एक रिलेटेबल और दिलचस्प अनुभव देने का वादा करती है। ताहा ने कहा कि धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म गिप्पी का हिस्सा बनने से लेकर अब करण जौहर के साथ दोबारा काम करना, यह सच में एक फुल-सर्कल जर्नी जैसा लग रहा है। संजय लीला भंसाली सर के साथ काम करने के बाद मैं नजदीकियां के जरिए एक बिल्कुल नए स्पेस को एक्सप्लोर करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं आभारी हूं और बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं कि दर्शक इसे देखें। मजबूत क्रिएटिव सहयोग और अलग-अलग तरह के किरदारों के साथ, ताहा शाह बदुशा धीरे-धीरे इंडस्ट्री में अपनी खास जगह बना रहे हैं और नजदीकियां उनके इस उभरते सफर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए तैयार हैं।

आज ही बनाएं
अपनी खुद की
न्यूज वेबसाइट
NEW
WEBSITE
बने न्यूज
वेबसाइट के
मालिक..

सेपर्क करें 7415685293

ट्रैक्टर मालिकों और अन्य उपभोक्ताओं को प्लास्टिक कंटेनरों में खुलेआम डीजल बेच रहे चलित डीजल पंप

चलित डीजल पंप पर बढ़ा विवाद: गांव-गांव अवैध बिक्री के आरोप, विभाग की भूमिका पर उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिले में चलित (मोबाइल) डीजल पंपों के संचालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से लगातार शिकायतें मिल रही हैं कि ये वाहन गांव-गांव घूमकर ट्रैक्टर मालिकों और अन्य उपभोक्ताओं को प्लास्टिक कंटेनरों में खुलेआम डीजल बेच रहे हैं। इससे जहां नियमों की अनदेखी हो रही है, वहीं सुरक्षा को लेकर भी बड़े खतरे सामने आ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, सरकार द्वारा चलित डीजल पंपों की अनुमति विशेष परिस्थितियों में दी गई थी, ताकि स्थाई रूप से स्थापित मशीनों–जैसे अस्पतालों के जनरेटर, मोबाइल टावर, निर्माण कार्यों में लगी भारी मशीनें (पोकलेन, हार्वेस्टर आदि)–को सुविधा मिल सके। लेकिन जमीनी स्तर पर इसका दुरुपयोग होता नजर आ रहा है और ये वाहन आम उपभोक्ताओं तक सीधे डीजल की बिक्री कर रहे हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि कई स्थानों पर चलित डीजल पंप गांव के अंदर ही रुककर प्लास्टिक डिब्बों में डीजल भरते हैं, जिसे लोग घरों में स्टोर कर लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, डीजल भले पेट्रोल जितना ज्वलनशील न हो, लेकिन गलत तरीके से भंडारण करने पर आगजनी और दुर्घटना का खतरा बना रहता है–खासकर गर्मी के मौसम में। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि कोई हादसा होता है तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी–विभाग, कंपनी या सरकार?

विभाग ने झाड़ा पल्ला, पारदर्शिता पर सवाल

इस पूरे मामले में संबंधित विभाग की भूमिका भी सवालों के घेरे में है। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि चलित डीजल पंप कंपनियों और सरकार के बीच हुए टाई-अप के तहत संचालित होते हैं, इसलिए इसमें विभाग का सीधा नियंत्रण नहीं है। जिला खाद्य आपूर्ति अधिकारी मनोज पुराबिया से चर्चा करने पर उन्होंने भी यही कहा कि कंपनियों को चलित वाहन से डीजल सप्लाई की अनुमति है। जब उनसे कंटेनरों में डीजल भरकर रखने और गिरने से होने वाले जोखिम के बारे में पूछा गया, तो उनका कहना था कि डीजल में ज्यादा रिस्क नहीं होता। हालांकि, यह बयान कई सवाल खड़े करता है, क्योंकि यही विभाग पेट्रोल पंप संचालकों को केन (कंटेनर) में डीजल देने पर रोक लगाने के निर्देश भी देता है। ऐसे में नियमों की यह दोहरी व्यवस्था समझ से परे है।

लिस्ट सार्वजनिक करने की मांग

स्थानीय नागरिकों और जानकारों का कहना है कि यदि वास्तव में सरकार और पेट्रोलियम कंपनियों के बीच चलित डीजल पंप संचालन को लेकर कोई समझौता हुआ है, तो उसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक की जानी चाहिए। इसमें यह स्पष्ट किया जाए कि– जिले में कितने चलित डीजल पंप अधिकृत हैं उनके वाहन नंबर क्या हैं किन कंपनियों को अनुमति दी गई है संचालन की नियमावली क्या है, यह जानकारी विभागीय कार्यालयों और समाचार पत्रों के माध्यम से सार्वजनिक होनी चाहिए, ताकि कोई भी अनधिकृत व्यक्ति इस व्यवस्था की आड़ में अवैध रूप से डीजल बिक्री न कर सके।

अन्य व्यवस्थाओं पर भी उठे सवाल

ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि सिर्फ चलित डीजल पंप ही नहीं, बल्कि विभाग की अन्य व्यवस्थाओं में भी लापरवाही देखने को मिल रही है। कहीं गैस सिलेंडरों का अवैध भंडारण हो रहा है, तो कहीं राशन वितरण केंद्रों में अनियमितताएं हैं। कुछ स्थानों पर सिलेंडर थोक में और ब्लैक में बेचे जाने की शिकायतें भी सामने आई हैं। ऐसे में विभाग की निष्क्रियता और निगरानी की कमी पर गंभीर प्रश्नचिह्न लग रहे हैं।

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि चलित डीजल पंपों की जांच कराई जाए, अधिकृत और अनधिकृत वाहनों की स्पष्ट पहचान की जाए तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर क्या कदम उठाता है, या फिर यह व्यवस्था यूं ही सवालों के घेरे में बनी रहती है।

पानी चौपाल के माध्यम से कृषकों को जल संरक्षण तकनीकी की दी गई जानकारी

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - सिवनी, कलेक्टर शीतला पटले के निर्देशन एवं जिला उद्यानिकी अधिकारी डॉ. आशा उपवंशी-वासेवार के मार्गदर्शन में उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा विकासखण्ड सिवनी की ग्राम पंचायत हिनोतिया (रन.) में ह्लजल गंगा संवर्धन अभियानह्व के तहत ह्लपानी चौपालह्व का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ग्राम पंचायत हिनोतिया (रन.) की सरपंच शिव कुमारी सनोडिया उपस्थित रहीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कृषक शामिल हुए।वरिष्ठ उद्यान विकास अधिकारी संतोष बघेल ने पानी चौपाल के दौरान किसानों को जल संरक्षण की तकनीकों की जानकारी देते हुए पानी के सदुपयोग पर जोर दिया। उन्होंने पर ड्रॉप मोर क्रॉप योजना के अंतर्गत ड्रिप, मिनी स्प्रिंकलर एवं पोर्टेबल स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई तकनीकों के उपयोग के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इन तकनीकों के माध्यम से कम पानी में अधिक उत्पादन लेकर किसान अपनी आय में वृद्धि कर सकते हैं।

ग्रामीण उद्यान विस्तार अधिकारी कु. शीला इनवाती एवं कु. शिल्पा इंदोरकर ने कृषकों को अपनी कुल भूमि के कम से कम 10 प्रतिशत हिस्से में उद्यानिकी फसलें लगाने की सलाह दी। साथ ही सिंचाई जल के समुचित उपयोग पर बल देते हुए विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की और पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्रक्रिया समझाई।कार्यक्रम में सरपंच शिव कुमारी सनोडिया ने भी किसानों से जल संरक्षण अपनाने और अधिक से अधिक उद्यानिकी फसलें लगाने का आह्वान किया।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौके पर दर्दनाक मौत

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। बंडोल थाना क्षेत्र के अंतर्गत बलारपुर के पास एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया, जिससे चालक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि चालक को संभलने का मौका तक नहीं मिला। मृतक की पहचान बृजलाल मरकाम, निवासी हिनोतिया (कान्हीवाड़ा) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर तेज गति में था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से वह पलट गया। घटना की सूचना मिलते ही बंडोल पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच प्रारंभ कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सड़क सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने एवं तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

सिवनी-बालाघाट सड़क की बदहाली पर फूटा जनआक्रोश, 23 मार्च को आंदोलन व बंद का आह्वान

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी - सिवनी-बालाघाट मार्ग की जर्जर हालत और लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को लेकर अब लोगों का गुस्सा खुलकर सामने आने लगा है। इसी कड़ी में युवा विचार मंच के नेतृत्व में 23 मार्च 2026, सोमवार को दोपहर 12 बजे नगर परिषद सभा मंच, बरघाट में बड़े जन आंदोलन की घोषणा की गई है। इस संबंध में युवा विचार मंच द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में व्यापारियों से अपील की गई है कि वे अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर आंदोलन को समर्थन दें। साथ ही आम नागरिकों से भी सड़कों पर उतरकर अपने अधिकारों की लड़ाई में भाग लेने का आह्वान किया गया है। मंच के पदाधिकारियों का कहना है कि लंबे समय से सिवनीझबालाघाट मार्ग बदहाल स्थिति में पड़ा है और आए दिन हो रही दुर्घटनाओं में लोगों की जान जा रही है। इसके बावजूद जिम्मेदार विभाग केवल आश्वासन तक सीमित हैं और जमीनी स्तर पर सुधार नजर नहीं आ रहा।

आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि अब भी सड़क की स्थिति में सुधार नहीं किया गया, तो यह आंदोलन और उग्र रूप ले सकता है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ह्लसुरक्षित सड़क हमारा अधिकार हैह्व और इसे पाने के लिए अब निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। युवा विचार मंच ने आमजन से एकजुट होकर इस आंदोलन में शामिल होने की अपील करते हुए कहा कि ह्लअब नहीं तो कभी नहींह्व, इसलिए सभी को आगे आकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी।

मड़वा में श्रीमद देवी भागवत नवाह ज्ञान यज्ञ का आयोजन, श्रद्धालुओं से सहभागिता की अपील

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। जिले के मड़वा ग्राम में सार्वजनिक श्रीमद देवी भागवत नवाह ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 19 मार्च से प्रारंभ होकर 27 मार्च 2026 तक आयोजित होगा, जिसमें क्षेत्रभर के श्रद्धालु शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करेंगे। आयोजन माँ खेरापति मंदिर प्रांगण मड़वा में किया जा रहा है, जहां प्रतिदिन पारायण पूजन प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक तथा कथा का वाचन दोपहर 1:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक किया जाएगा। इस नवाह ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास आचार्य पं. भुवन भास्कर जगमोहन जी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद देवी भागवत कथा का रसपान कराया जाएगा, वहीं परम पूज्य पं. श्री जगमोहन जी मिश्रा ह्लपौराणिकह्व का सान्निध्य भी प्राप्त होगा। आयोजन समिति द्वारा समस्त ग्रामवासियों एवं क्षेत्रवासियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर धर्मलाभ लेने की अपील की गई है। धार्मिक वातावरण में आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र बनेगा, जहां भक्तगण कथा श्रवण के साथ-साथ पूजन-अर्चन कर पुण्य अर्जित करेंगे।

झूलेलाल जयंती पर भव्य शोभायात्रा निकली, गूंजे जयकारे

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। सिंधी समाज द्वारा भगवान झूलेलाल जयंती के पावन अवसर पर शहर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में समाज के लोग शामिल हुए और पूरे मार्ग में भक्ति व उत्साह का माहौल बना रहा। शोभायात्रा शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरी, जहां जगह-जगह श्रद्धालुओं द्वारा पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। रैली में आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे और धार्मिक ध्वजों के साथ ह्लझूलेलाल भगवान की जयह्व के जयकारे गूंजते रहे। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठजनों ने भगवान झूलेलाल के जीवन और उनके संदेशों को याद करते हुए कहा कि वे सदैव सत्य, भाईचारे और मानवता के प्रतीक रहे हैं। उनके आदर्श आज भी समाज को एकता और सद्भाव का मार्ग दिखाते हैं। शोभायात्रा में महिला, पुरुष एवं युवा वर्ग बढ़-चढ़कर शामिल हुआ। बच्चों ने भी पारंपरिक वेशभूषा में भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के समापन पर समाज द्वारा प्रसाद वितरण किया गया तथा सभी से आपसी भाईचारे और प्रेम के साथ समाज को आगे बढ़ाने का संदेश दिया गया।

ज्यारत ईदगाह में सुबह 8:30 बजे अदा होगी ईद-उल-फित्र की नमाज

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। बीते 20 मार्च की शाम माह शव्वाल का चांद नजर आने के साथ ही जिलेभर में ईद-उल-फित्र की तैयारियां शुरू हो गईं। चांद दिखने के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद देना शुरू कर दिया।

शहर काजी अनीस अंसारी ने जानकारी देते हुए बताया कि बड़ी ज्यारत स्थित ईदगाह में ईद-उल-फित्र की नमाज 21 मार्च की सुबह 8:30 बजे अदा की जाएगी। उन्होंने सभी लोगों को ईद की मुबारकबाद देते हुए भाईचारे, अमन और हर्षोल्लास के साथ त्यौहार मनाने की अपील की। साथ ही कहा कि ऐसा कोई कार्य न करें जिससे किसी को तकलीफ हो, क्योंकि इस्लाम इंसानियत और मानवता का संदेश देने वाला मजहब है। नगर के बुधवारी बाजार स्थित ईदगाह मस्जिद में ईद के मौके पर दो जमात आयोजित होंगी। पहली जमात सुबह 9 बजे और दूसरी जमात इसके तुरंत बाद अदा की जाएगी। इसी तरह जिला मुख्यालय के बस स्टैंड स्थित नूर

अंबिया मस्जिद के सामने मैदान में सुबह 8:45 बजे नमाज अदा की जाएगी, जबकि गांधी वार्ड स्थित मस्जिद फैजाने रजा में सुबह 8:15 बजे नमाज होगी। मस्जिदे गौसिया एकता कॉलोनी में पहली जमात 8:30 बजे और दूसरी जमात 9:30 बजे अदा की जाएगी। कदीमी ईदगाह मस्जिद फैजगंज पिंजारी मोहल्ला में सुबह 9 बजे, मस्जिद सूफिया सूफी नगर में 9:30 बजे नमाज अदा की जाएगी। इसके अलावा नगर की अन्य मस्जिदों सहित घसियारी मोहल्ला स्थित ईदगाह में भी ईद की नमाज अदा की जाएगी। ज्ञात हो कि 18 फरवरी को रमजान का चांद नजर आने के बाद 19 फरवरी से रोजों की शुरूआत हुई थी। एक माह तक रोजा रखने और इबादत के बाद 20 मार्च की शाम ईद का चांद नजर आने के साथ ही बाजारों में रौनक बढ़ गई। लोग सेवईयां, मेवे, कपड़े और अन्य आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी में जुटे नजर आए।

नगर पालिका की लापरवाही उजागर बारापत्थर कॉलोनी में सफाई व्यवस्था चरमराई

दैनिक रेवांचल टाइम्स, सिवनी। नगर पालिका की सफाई व्यवस्था एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। बारापत्थर स्थित हाउसिंग बोर्ड एवं समता नगर कॉलोनी में चैत्र नवरात्रि जैसे पावन दिनों में भी गंदगी का अंबार लगा हुआ है। हालात यह हैं कि महीनों से सफाईकर्मी कॉलोनी में नहीं पहुंचे, जिससे नालियां जाम और सड़कों पर कूड़े के ढेर आम दृश्य बन गए हैं। नगर पालिका अध्यक्ष ज्ञानचंद सनोडिया के पड़ोसी वार्ड एवं श्रीमती मालती बाबा पांडे के अकबर वार्ड क्रमांक 3 में स्थित इस कॉलोनी के रहवासी गंदगी से बेहद परेशान हैं। मंदिर जाने वाले श्रद्धालुओं को भी कचरे और गंदगी से होकर गुजरना पड़ रहा है, जिससे खासतौर पर बुजुर्गों और बच्चों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। रहवासियों का कहना है कि उन्होंने कई बार पार्षद, नगर पालिका और संबंधित कर्मचारियों को फोन कर समस्या से अवगत कराया, लेकिन न तो फोन उठाया गया और न ही कोई ठोस कार्रवाई की गई। मजबूर होकर कॉलोनी के लोग खुद ही समय-समय पर सफाई करते हैं, लेकिन कुछ ही दिनों में स्थिति फिर जस की तस हो जाती है। लोगों में नाराजगी इस कदर बढ़ गई है कि अब वे नगर पालिका को ह्लनगर पालिका नहीं, नरक पालिकाह्व कहकर अपनी पीड़ा व्यक्त कर रहे हैं। उनका कहना है कि नियमित सफाई न होने के कारण संक्रामक बीमारियों का खतरा भी लगातार बढ़ता जा रहा है। वहीं हाल ही में हुई महज 10 मिनट की बारिश ने भी नगर पालिका की सफाई व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी। जगह-जगह जलभराव और गंदगी फैल गई, जिससे स्थिति और भी बदतर हो गई। कॉलोनीवासियों ने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित की जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए, अन्यथा आने वाले समय में बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

नवरात्रि पर रामकथा व ध्यान-साधना का संगम, आत्मशक्ति जागरण का संदेश

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी। नवरात्रि एवं रामनवमी के पावन अवसर पर एफ-सी-आई गली नंबर 3 स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में आयोजित श्रीराम कथा कार्यक्रम में श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम का मुख्य विषय रामराज्य की स्थापना का महाअभियान रहा, जिसमें प्रवचनकर्ता आदरणीय गीता दीदी जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को गहन आध्यात्मिक संदेश प्रदान किया। अपने प्रवचन में दीदी जी ने दशानन और दशरथ के प्रतीकात्मक अर्थ को समझाते हुए कहा कि जब मनुष्य अपनी दसों इंद्रियों के वश में होता है, तब वह दशानन के समान हो जाता है, जबकि जब इंद्रियां उसके नियंत्रण में होती हैं, तब वह दशरथ बनता है। उन्होंने बताया कि जब तक मनुष्य अपनी इंद्रियों पर नियंत्रण स्थापित नहीं करेगा, तब तक उसके जीवन में ह्लरामह्व अर्थात सत्य और मयार्दा का प्रकट होना संभव नहीं है। इसलिए जीवन में रामत्व को जागृत करने के लिए आत्मसंयम और इंद्रिय-नियंत्रण आवश्यक है। इसी क्रम में प्रातःकालीन म्यूजिकल एक्सरसाइज एवं मोटिवेशनल मेडिटेशन कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया, जिसमें मां ब्रह्मचारिणी देवी के पावन दिवस पर आत्मशक्ति जागरण का विशेष संदेश दिया गया। दीदी जी ने कहा कि वर्तमान समय में मनुष्य की शक्तियां अधोगामी हो गई हैं, जिसके कारण जीवन में असंतुलन उत्पन्न हुआ है। उन्होंने समझाया कि जब व्यक्ति लोभ और दूसरों के कार्यों में अनावश्यक चिंतन करता है, तब उसकी ऊर्जा नीचे की ओर गिरती है। वहीं, जब व्यक्ति आत्मचिंतन कर परमात्मा का स्मरण करता है, तो उसकी शक्तियां ऊर्ध्वगामी होने लगती हैं, जिससे जीवन में सकारात्मकता, शांति और संतुलन का संचार होता है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही, जिन्होंने भक्ति और ध्यान के माध्यम से आत्मिक उन्नति का संकल्प लिया। यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना, बल्कि आत्मविकास और आध्यात्मिक जागरण का भी महत्वपूर्ण माध्यम सिद्ध हुआ।

मप्र के 42 जिलों में बारिश, 12 में ओले गिरे

कई जगह फसलें बर्बाद; साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ लाइन से बदला मौसम

भोपाल। साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ लाइन की सक्रियता के चलते मध्य प्रदेश में मौसम ने अचानक करवट ले ली है। 24 घंटे के दौरान प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तेज आंधी, बारिश और ओलावृष्टि दर्ज की गई। शुक्रवार सुबह से भी कई जिलों में बारिश का दौर जारी है, जिससे मौसम ठंडा हो गया है और जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम विभाग के मुताबिक, प्रदेश के 42 जिलों के 112 शहरों और कस्बों में बारिश हुई। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, उज्जैन, सागर, जबलपुर समेत कई बड़े शहर शामिल हैं। सबसे ज्यादा बारिश धार के बदनावर और बैतूल के घोड़ा डोंगरी में करीब पौन इंच दर्ज की गई। वहीं बड़वानी, सेंधवा, भैंसदेही, मुलताई, भोपाल और दमोह समेत कई जगहों पर आधा इंच या उससे ज्यादा पानी गिरा। इधर, 12 जिलों में ओलावृष्टि ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। आलीराजपुर, बड़वानी, बैतूल, झाबुआ, खंडवा, आगर-मालवा, विदिशा, छिंदवाड़ा, जबलपुर, दमोह, सिवनी और छतरपुर में ओले गिरने से खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा है।

तेज आंधी ने भी कई इलाकों में असर दिखाया। आगर-मालवा में सबसे तेज 74 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से हवा चली, जबकि सीहोर में 54 किमी, बड़वानी और नरसिंहपुर में 46 किमी, आलीराजपुर में 43 किमी की रफ्तार दर्ज की गई। भोपाल, सागर, इंदौर और जबलपुर समेत कई शहरों में 35 से 40 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। मौसम में आए इस बदलाव से जहां एक ओर गर्मी से राहत मिली है, वहीं दूसरी ओर आंधी और ओलावृष्टि ने किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाया है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना जताई है।

तापमान में भारी गिरावट, पचमढ़ी में पारा 12.6 डिग्री : बारिश और ठंडी हवाओं के चलते पूरे प्रदेश के तापमान में गिरावट आई है। न्यूनतम तापमान में 3 डिग्री सेल्सियस तक की कमी दर्ज की गई है। हिल स्टेशन पचमढ़ी 12.6त्ड के साथ प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान रहा। वहीं, इंदौर में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री और भोपाल में 16.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भोपाल में दिन में तेज गर्मी के साथ बारिश : भोपाल में मार्च महीने में दिन में तेज गर्मी पड़ने के साथ बारिश का ट्रेंड भी है। मौसम विभाग के अनुसार, मार्च महीने में गर्मी के सीजन की शुरूआत हो जाती है। इसके चलते दिन-रात के तापमान में बढ़ोतरी होने लगती है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 30 मार्च 2021 को अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 41 डिग्री पहुंच चुका है। वहीं, 45 साल पहले 9 मार्च 1979 की रात में पारा 6.1 डिग्री दर्ज किया गया था। वर्ष 2014 से 2023 के बीच दो बार ही अधिकतम तापमान 36 डिग्री के आसपास रहा। बाकी सालों में पारा 38 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा है।

बैतूल में बारिश से फसलें भीगीं:रानीपुर में भारी वर्षा, खेतों में भीगीं गेहूं और चने की फसल

बैतूल। बैतूल जिले में गुरुवार रात से शुक्रवार सुबह तक हुई बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जिले में औसतन 9.9 मिमी वर्षा दर्ज की गई। घोड़ाडोंगरी ब्लॉक के रानीपुर क्षेत्र में करीब एक घंटे की तेज बारिश से फसलों को नुकसान पहुंचा है। जिले के वर्षामापी केंद्रों के अनुसार, घोड़ाडोंगरी में 18 मिमी, मुलताई और भैंसदेही में 13-13 मिमी, बैतूल में 12.4 मिमी, आमला में 12 मिमी, शाहपुर में 9 मिमी और चिचोली में 8 मिमी बारिश दर्ज की गई। भीमपुर में 2 मिमी और आठनेर में 4.2 मिमी सबसे कम वर्षा हुई।

गेहूं, चना और सरसों की फसल खराब हुई : रानीपुर, जुवाड़ी, मेहकार, हीरावाड़ी, मयावानी, रतनपुर, शोभापुर, चारगांव और कतिया कोयलारी में मूसलाधार बारिश हुई। इससे खेतों में खड़ी गेहूं, चना, सरसों और बटरा की फसलें भीग गईं। जिन किसानों ने फसल काटकर खलिहानों में रखी थी, वे उसे बचाने के लिए तिरपाल और फट्टों से ढकते नजर आए। किसानों का कहना है कि वे अचानक बदले मौसम के लिए तैयार नहीं थे। खड़ी फसल पूरी तरह भीग गई है और कटी हुई फसल को बचाना उनके लिए मुश्किल हो गया है।

फसल की गुणवत्ता पर भी असर

भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि गेहूं और चने की फसलें पूरी तरह पक चुकी थीं और कटाई शुरू होने वाली थी। इस बारिश से दानों के काले पड़ने, गुणवत्ता खराब होने और उत्पादन घटने का खतरा बढ़ गया है। यदि मौसम जल्द साफ नहीं हुआ तो किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हो सकता है।

भोपाल में कटारा हिल्स में आग, लेट पहुंची दमकल

रजाई-गद्दे की दुकान में घटना; 20 फीट तक ऊपर उठी आग की लपटें

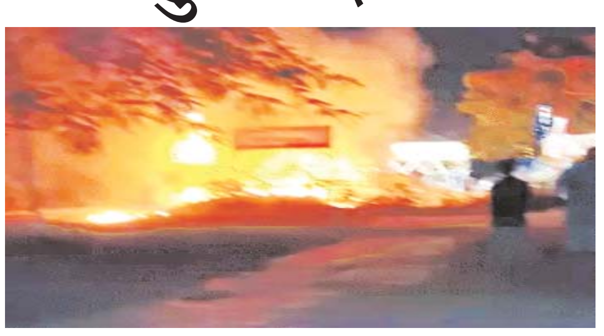

भोपाल। भोपाल के कटारा हिल्स स्थित एक रजाई-गद्दे की दुकान में देर रात आग लग गई। आग इतनी भीषण थी कि लपटें 20 फीट तक ऊपर उठ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों की माने तो आग पर जल्दी काबू पा लिया जाता, लेकिन फायर ब्रिगेड ही करीब 45 मिनट देरी से मौके पर पहुंची। कटारा हिल्स के स्प्रिंग वैली में श्री वृंदावन फास्ट फूड एंड रेस्टोरेंट है। ठीक इसके पास रजाई-गद्दे की दुकान है। गुरुवार-शुक्रवार की देर रात इसी दुकान में आग लगी। राहगीर और आसपास के लोगों ने तुरंत दमकल बुलाने के लिए फायर स्टेशन पर कॉल किया, लेकिन पौन घंटे तक दमकल मौके पर ही नहीं पहुंची। इससे लोगों में नाराजगी देखने को मिली।

प्रत्यक्षदर्शी बोले- गाड़ी खराब हो गई : आगजनी का मौके पर मौजूद लोगों ने वीडियो भी बताया। एक महिला ने कहा कि पौन घंटा तक दमकल मौके पर नहीं आई। जब आई तो उसमें कर्मचारियों ने खराब बताई। फिर कुछ संसाधन ढूंढने लगे। जब संसाधन मिले तो गाड़ी ठीक की गई और फिर आग बुझाई गई। हालांकि, तब तक पूरी दुकान जल चुकी थी।

झिरिया के दूषित पानी के उपयोग से दानवाखेड़ा में फिर फैली खुजली, 25 से अधिक बीमार, 6 भर्ती

बैतूल। घोड़ाडोंगरी तहसील के दानवाखेड़ा गांव में झिरिया के गंदे पानी के उपयोग के चलते एक बार फिर खुजली (त्वचा रोग) का संक्रमण फैल गया है। गांव में 25 से अधिक बच्चे और ग्रामीण इसकी चपेट में हैं, जबकि 6 की हालत गंभीर होने पर उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोड़ाडोंगरी में भर्ती कराया है। गांव में नवंबर 2025 में बीमारी फैलने से 2 बच्चों की मौत हो गई थी और 50 से अधिक लोग बीमार हुए थे। गांव में एक भी हैंडपंप नहीं होने और पेयजल संकट को देखते हुए पीएचई के मनोज बघेल ने 3 दिसंबर 2025 को 4 दिन में हैंडपंप लगाने का दावा किया था, लेकिन 4 माह बाद भी हैंडपंप नहीं लग पाया है। इस कारण ग्रामीण झिरिया का दूषित पानी पीने और रोजमर्रा के कार्य में उपयोग ले रहे हैं। इससे बीमारी फैली है। गुरुवार को बीएमओ डॉ. संजीव शर्मा स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ गांव पहुंचे और प्रभावित लोगों का उपचार शुरू किया। उन्होंने बताया 28 मरीजों को उपचार किया गया है। 6 मरीज घोड़ाडोंगरी अस्पताल में भर्ती हैं। गांव के मंगल शीलू का पूरा परिवार खुजली की चपेट में है।

अलविदा जुमा पर इबादत में डूबा शहर

मस्जिदों में उमड़ा अकीदतमंदों का सैलाब, रमजान के आखिरी शुक्रवार पर विशेष नमाज अदा

भोपाल। रमजान महीने के आखिरी शुक्रवार यानी अलविदा जुमा पर राजधानी इबादत के रंग में रंगी नजर आई। सुबह से ही मस्जिदों के बाहर नमाजियों की भीड़ उमड़ने लगी और दोपहर तक शहर की प्रमुख मस्जिदों में जगह कम पड़ गई। शहर की ऐतिहासिक ताज-उल-मसाजिद और मोती मस्जिद समेत विभिन्न मस्जिदों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने अलविदा जुमा की नमाज अदा की। नमाज के दौरान मुल्क में अमन, भाईचारे और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं। अलविदा जुमा को रमजान की विदाई का प्रतीक माना जाता है, इसलिए इस दिन का धार्मिक महत्व और बढ़ जाता है। धर्मगुरुओं ने तकरीर में कहा कि रमजान सिर्फ एक महीना नहीं, बल्कि जिंदगी को बेहतर बनाने का संदेश देता है। रोजा, सब्र, संयम और नेक कामों की आदत को पूरे साल जारी रखना ही इसकी असली सीख है। नमाज के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने जरूरतमंदों को जकात और सदका दिया। मस्जिदों के बाहर भी सामाजिक संगठनों द्वारा पानी, खजूर और अन्य व्यवस्थाएं की गईं।

चार साल से अटका ग्वालियर-बैतूल एनएच मार्ग अब बनेगा

हाईकोर्ट के आदेश के बाद रुका था काम, 21 किमी एरिया वाइल्डलाइफ के दायरे में था

भोपाल। वन्यजीवों के एरिया से होकर गुजरने वाले और ग्वालियर से बैतूल को जोड़ने वाला 634 किमी लंबा नेशनल हाईवे अब जल्द पूरा हो सकेगा। हाईकोर्ट ने चार साल पहले इसे वन्यजीवों के लिए असुरक्षित बताते हुए काम रोकने का आदेश दिया था। वाइल्डलाइफ बोर्ड और केंद्र सरकार से जरूरी परमिशन मिलने के बाद ही काम चालू करने के आदेश दिए थे। अब सारी परमिशन मिलने के बाद काम शुरू किया जाने वाला है। यह निर्माण इस मार्ग के बरेठा घाट सेक्शन पर 20.9 किमी में निर्माण कार्य परमिशन के चलते शुरू होगा। यह मार्ग भोपाल-नागपुर कॉरिडोर का भी एक हिस्सा है, जो बैतूल होते हुए गुजरता है। इस परियोजना के अंतर्गत बैतूल तक के अधिकांश खंडों में निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है। इसमें से 21 किलोमीटर का एक भाग शेष रह गया था, जिसमें केसला रेंज, भौंरा रेंज तथा बरेठा घाट के तीन खंड (कुल 20.91 किमी) सम्मिलित हैं। ये सभी खंड वन्यजीवों के मूवमेंट खासतौर पर टाइगर मूवमेंट कॉरिडोर के चलते संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं। इसको ध्यान में रखते हुए 1 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा निर्माण कार्य पर स्थगन का आदेश जारी किया गया था और आवश्यक मंजूरी के बाद ही निर्माण करने के आदेश दिए गए थे। इसके बाद उच्च न्यायालय के निर्देशों का पालन करते हुए ठल्ठअक द्वारा सभी परमिशन ली गई हैं। परियोजना के लिए वाइल्डलाइफ बोर्ड एवं केंद्र सरकार से अपेक्षित सभी आवश्यक मंजूरियां अब प्राप्त हो चुकी हैं।

ब्लैक स्पॉट होने के कारण जरूरी हुआ सुरक्षा सुधार : बरेठा घाट का यह खंड सड़क सुरक्षा की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण माना जाता है। वर्तमान में यह मार्ग केवल दो लेन का है जिसके कारण यहां घुमावदार (कर्व) रास्ते और सीमित चौड़ाई के चलते यातायात में कठिनाई होती है। भारी वाहनों और बढ़ते ट्रैफिक दबाव के कारण इस क्षेत्र में अक्सर लंबा जाम लग जाता है, जिससे यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ता है और दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। इस मार्ग पर दो प्रमुख ब्लैक स्पॉट चिन्हित किए गए हैं, जहां बार-बार दुर्घटना की स्थिति बनी रहती है। घुमावदार रास्ता, ढलान, सीमित विजिबिलिटी और ट्रैफिक मूवमेंट की वजह से जोखिम बढ़ता है। पुलिस थानों में उपलब्ध अभिलेखों के अनुसार जनवरी 2022 से दिसंबर 2024 के बीच इस खंड में कुल 51 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गई हैं। इन दुर्घटनाओं में 18 लोगों की मृत्यु हुई है जबकि लगभग 62 लोग घायल या गंभीर रूप से घायल हुए हैं। यह क्षेत्र वन्यजीवों की मूवमेंट कॉरिडोर का हिस्सा है। अक्सर जानवर सड़क पार करते हैं, जिससे अचानक दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है।

सिंहस्थ-2028 में दुनिया देखेगी सनातन संस्कृति का वैभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव पर धर्मनगरी उज्जैन में राम घाट पर हुआ भव्य आयोजन

पार्श्व गायक श्री विशाल मिश्रा की प्रस्तुति, ड्रोन शो, लेजर शो और भव्य आतिशबाजी ने बांधा समां

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक नगरी उज्जैन का परमात्मा ने भाग्य विशेष रूप से लिखा है। जो भी व्यक्ति एक बार उज्जैन आता है, उसका जीवन संवर जाता है। मां शिप्रा के पावन तट पर बसी यह नगरी अनादि काल से अस्तित्व में है और हर युग में इसकी महिमा अक्षुण्ण रही है। उज्जैन, जिसे प्राचीन काल में अवंतिका और उज्जयिनी के नाम से जाना जाता था, 12 ज्योतिलिंगों में से एक श्री महाकालेश्वर का धाम है। वर्षप्रतिपदा के इस विशेष दिन विक्रम संवत 2083 के आगमन का उल्लास पूरे शहर में देखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरूवार को विक्रमोत्सव-2026 अंतर्गत उज्जैन के राम घाट पर आयोजित सृष्टि आरंभ उत्सव का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज जब दुनिया आधुनिक तकनीकों जैसे ड्रोन का उपयोग युद्ध में कर रही है, वहीं ड्रोन तकनीक उज्जैन में देवी-देवताओं की झलक आस्था और संस्कृति का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रही है। यह सनातन संस्कृति की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है। करीब दो हजार वर्ष पूर्व उज्जैन के महान सम्राट विक्रमादित्य ने विदेशी आक्रांताओं को परास्त कर राष्ट्र की रक्षा की और सुशासन की मिसाल कायम की। उनका 32 पुतलियों वाला सिंहासन, नवरत्नों की विद्वता, वीरता और दानशीलता आज भी प्रेरणा का स्रोत है। आज विक्रमादित्य की इसी गौरवगाथा को पुनर्जीवित करते हुए पूरे प्रदेश में विक्रमोत्सव-2026 का आयोजन किया जा रहा है। यह उत्सव न केवल संस्कृति का उत्सव है, बल्कि सुशासन और प्रशासनिक आदर्शों की पुनर्स्थापना का प्रतीक भी है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आगामी सिंहस्थ-2028 की तैयारियां भी जोर-शोर से चल रही हैं। इस बार का सिंहस्थ अभूतपूर्व और ऐतिहासिक होने वाला है। उज्जैन को जोड़ने वाले सभी मार्गों को फोरलेन और सिक्सलेन बनाया जा रहा है, वहीं मां शिप्रा के तट पर लगभग 30 किलोमीटर लंबे नवीन घाट विकसित किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन को व्यापार और उद्योग की दृष्टि से भी विकसित किया जा रहा है। विक्रम उद्योगपुरी, मेडिकल डिवाइस पार्क जैसे प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि 12,500 एकड़ का औद्योगिक क्षेत्र पूर्ण रूप से विकसित हो चुका है और अतिरिक्त 5 हजार एकड़ क्षेत्र में नया पार्क तैयार किया जा रहा है। साथ ही नए एयरपोर्ट और हेलीकॉप्टर सेवाओं की योजना से धार्मिक तीर्थाटन को नई ऊंचाई देने का प्रयास है। आने वाले समय में उज्जैन न केवल धार्मिक, बल्कि सांस्कृतिक, औद्योगिक और वैश्विक पहचान का केंद्र बनेगा। जब 2028 में सिंहस्थ का विराट स्वरूप दुनिया के सामने आएगा, तब पूरी दुनिया सनातन संस्कृति का वैभव देखेंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में विक्रमोत्सव 2026 के अंतर्गत 19 मार्च को गुड़ी पड़वा, सृष्टि आरम्भ उत्सव के पावन अवसर पर धर्मनगरी उज्जैन में भव्य और आकर्षक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिप्रा तट स्थित रामघाट,दत्त अखाड़ा घाट पर आयोजित इस महोत्सव में आस्था, संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अद्भुत संगम देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरूआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई। इसके बाद प्रसिद्ध पार्श्व गायक श्री विशाल मिश्रा ने अपनी मधुर आवाज से श्रद्धालुओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर हजारों की संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने संगीत का आनंद लिया और नववर्ष का उत्साहपूर्वक स्वागत किया। गुड़ी पड़वा, जिसे हिंदू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि के प्रारंभ का प्रतीक माना जाता है, से पूरे शहर में धार्मिक उल्लास का वातावरण बना रहा।

भव्य ड्रोन-शो, लेजर-शो और आकर्षक आतिशबाजी से आकाश को भर दिया रोशनी और रंगों से कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण भव्य ड्रोन-शो, लेजर-शो और आकर्षक आतिशबाजी रही, जिसने शिप्रा तट के आकाश को रोशनी और रंगों से भर दिया। ड्रोन-शो के माध्यम से धार्मिक एवं सांस्कृतिक संदेशों का मनोहारी प्रदर्शन किया गया, जिससे उपस्थित जनसमूह अभिभूत हो उठा।

विभिन्न साहित्य का विमोचन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ का विक्रम पंचांग 2083, संस्कृति संचालनालय का कला पंचांग, बिमल कृष्ण दास की 84 महादेव, रामस्वरूप दास की ओरछाधीश, वीर भारत न्यास के महर्षि अत्रि, महर्षि अंगिरा, धनवंतरी, महर्षि अगस्त्य, भरत मुनि के भारत निधि मोनोग्राफ, महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ की अष्टावक्र गीता, नारद गीता, ब्राह्मण गीता, गर्भ गीता, उत्तर गीता का विमोचन किया।

आनंद एक ऐसी सुखानुभूति है, जो अर्थ क्रय से नहीं, अंतस से होती है अनुभूत : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हम मनुष्य आदतन सुख-सुविधाओं की वस्तुओं और विलासतापूर्ण जीवन में ही सुख ढूंढ़ते रहते हैं। भौतिक सुख की अभिलाषा सबको है पर आत्मिक सुख और शांति की दरकार कम ही लोगों को है। जबकि जीवन का आनंद भौतिकता में नहीं, मन के भावों की संतुष्टि में निहित है। उन्होंने कहा कि आनंद एक ऐसी सुख की अनुभूति है, जो धन से सुख-सुविधाओं के यंत्र वस्तुएं खरीदकर नहीं, बल्कि अपने अंतस में जागे मानवीय भावों के तृप्त होने पर भीतर से उपजती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अंतर्राष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन एवं प्रबंधकीय अकादमी में राज्य आनंद संस्थान द्वारा आयोजित आनंद के आयाम-राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्जवलन कर राष्ट्रीय संगोष्ठी का मंगल आरंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में 14 से 28 जनवरी तक मनाए गए आनंदोत्सव के विजेताओं को पुरस्कार के रूप में नकद राशि और प्रशस्ति पत्र दिए। फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी विधा में प्रथम पुरस्कार के रूप में 25 हजार रूपए, द्वितीय पुरस्कार के रूप में 15 हजार रूपए एवं तृतीय पुरस्कार के रूप में 10 हजार रूपए दिए गए। मुख्यमंत्री ने फोटोग्राफी विधा में श्री मिलिंद कुमार को प्रथम, श्री शैलेंद्र बिहार को द्वितीय एवं सुश्री सीमा अग्निहोत्री को तृतीय पुरस्कार दिया।

थ्रेसर में फंसा किसान, एक पल में उजड़ गया परिवार

रायसेन। रायसेन जिले के बाड़ी निवासी किसान नर्मदा कहार की गुरुवार को थ्रेसर मशीन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि किसान की गर्दन धड़ से अलग हो गई और मौके पर ही उनकी जान चली गई। घटना की जानकारी मिलते ही कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा ने तत्काल संज्ञान लिया और एसडीएम बरेली को मौके पर पहुंचकर सहायता देने के निर्देश दिए। इसके बाद एसडीएम, तहसीलदार और थाना प्रभारी मृतक के घर पहुंचे और उनके पुत्र को तत्काल 5 हजार रुपए की अंत्येष्टि सहायता राशि प्रदान की गई। शुक्रवार दोपहर कलेक्टर अरुण कुमार विश्वकर्मा और एसपी आशुतोष गुप्ता ने मृतक किसान के घर पहुंचकर परिजनों से मुलाकात की।

मऊगंज कलेक्टर की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल

हाईकोर्ट के आदेश पर खुद कार्रवाई, फिर उसी पर रोक

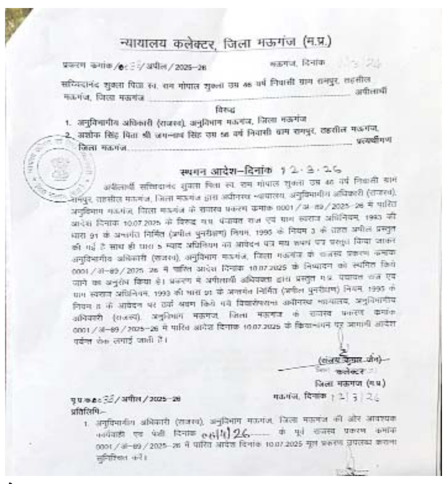
न्यायालय कलेक्टर, जिला मऊगंज (म.प्र.)

प्रकरण क्रमांक /0033/अपील/2025-26 मऊगंज, दिनांक

सच्चिदानंद शुक्ला पिता स्व. राम गोपाल शुक्ला उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम रामपुर, तहसील मऊगंज, जिला मऊगंज — अपीलार्थी

विरुद्ध

1. अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभाग मऊगंज, जिला मऊगंज
2. अशोक सिंह पिता श्री जगन्नाथ सिंह उम्र 58 वर्ष निवासी ग्राम रामपुर, तहसील मऊगंज, जिला मऊगंज — प्रत्यर्थीगण

स्थगन आदेश-दिनांक 12.3.26

अपीलार्थी सच्चिदानंद शुक्ला पिता स्व. राम गोपाल शुक्ला उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम रामपुर, तहसील मऊगंज, जिला मऊगंज द्वारा अधीनस्थ न्यायालय, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभाग मऊगंज, जिला मऊगंज के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0001/अ-89/2025-26 में पारित आदेश दिनांक 10.07.2025 के विरुद्ध म.प्र. पंचायत राज एवं ग्राम स्वराज अधिनियम, 1993 की धारा 91 के अन्तर्गत निर्मित (अपील पुनरीक्षण) नियम, 1995 के नियम 3 के तहत अपील प्रस्तुत की गई है साथ ही धारा 5 म्याद अधिनियम का आवेदन पत्र मय शपथ पत्र प्रस्तुत किया जाकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभाग मऊगंज, जिला मऊगंज के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0001/अ-89/2025-26 में पारित आदेश दिनांक 10.07.2025 के क्रियान्वयन को स्थगित किये जाने का अनुरोध किया है। ... अनुविभाग मऊगंज, जिला मऊगंज के राजस्व प्रकरण क्रमांक 0001/अ-89/2025-26 में पारित आदेश दिनांक 10.07.2025 के क्रियान्वयन पर आगामी आदेश पर्यन्त रोक लगाई जाती है।

(संजय कुमार जैन)
कलेक्टर
जिला मऊगंज (म.प्र.)

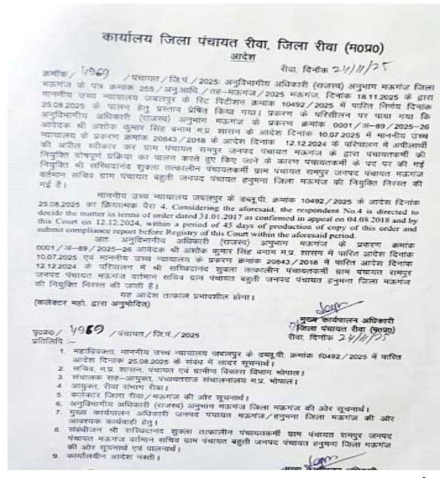
कार्यालय जिला पंचायत रीवा, जिला रीवा (म०प्र०)

आदेश

रीवा, दिनांक 24/11/25

क्रमांक/4969/पंचायत/जि.पं./2025 अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अनुभाग मऊगंज जिला मऊगंज के पत्र क्रमांक 255/अनु.अधि./तह-मऊगंज/2025 मऊगंज, दिनांक 18.11.2025 के द्वारा माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के रिट पिटीशन क्रमांक 10492/2025 में पारित निर्णय दिनांक 25.08.2025 के पालन हेतु प्रस्ताव प्रेषित किया गया। ...

माननीय उच्च न्यायालय जबलपुर के डब्ल्यू.पी. क्रमांक 10492/2025 के आदेश दिनांक 25.08.2025 का क्रियात्मक पैरा 4, Considering the aforesaid, the respondent No.4 is directed to decide the matter in terms of order dated 31.01.2017 as confirmed in appeal on 04.08.2018 and by this Court on 12.12.2024, within a period of 45 days of production of copy of this order and submit compliance report before Registry of this Court within the aforesaid period.

... यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा।

(कलेक्टर महो. द्वारा अनुमोदित)

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
जिला पंचायत रीवा (म०प्र०)

दैनिक रेवांचल टाइम्स मऊगंज । मऊगंज जिले में प्रशासनिक कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। माननीय उच्च न्यायालय के स्पष्ट आदेश के पालन में शुरू हुई कार्रवाई को बाद में खुद प्रशासन द्वारा ही रोक दिए जाने से पूरे मामले में गंभीर संदेह और विरोध की स्थिति बन गई है।

माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मऊगंज द्वारा 10 जुलाई 2025 को कलेक्टर, जिला पंचायत सीईओ रीवा एवं जनपद पंचायत मऊगंज को पत्र भेजकर कार्यवाही शुरू की गई थी। लेकिन आरोप है कि इस पूरे प्रकरण को तत्कालीन निज सहायक/लैब परिचारक पंकज श्रीवास्तव द्वारा लगभग 4 माह तक दबाकर रखा गया। कोर्ट की सख्ती के बाद जब उच्च न्यायालय द्वारा एसडीएम मऊगंज पर 10,000 रुपये का कॉस्ट लगाया गया, तब जाकर प्रशासन सक्रिय हुआ। 23 नवंबर 2025 को एसडीएम द्वारा कलेक्टर को प्रकरण की गंभीरता बताई गई, जिसके बाद उसी रात कलेक्टर द्वारा जिला पंचायत को पत्र जारी किया गया। तत्काल कार्रवाई करते हुए तहसीलदार देवतालाब द्वारा पत्र जिला पंचायत सीईओ रीवा को भेजा गया, और 24 नवंबर 2025 को संबंधित कर्मचारी की बर्खास्तगी का आदेश जारी किया गया। बड़ा सवालः जब कलेक्टर ने खुद हाईकोर्ट के आदेश के पालन में कार्रवाई करवाई, तो बाद में उसी आदेश पर स्थगन कैसे दे दिया गया? अगस्त क्रांति मंच ने आरोप लगाया है कि जिले में ह्लनोटिस का खेलह्व चल रहा है. 68 आंगनबाड़ी कार्यकताओं को बर्खास्त करने का आदेश मीडिया में प्रकाशित हुआ,लेकिन न नोटिस मिला, न कार्रवाई हुई। सच बोलने वालों पर 110 की कार्यवाही और फर्जी मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं।

पंकज श्रीवास्तव पर गंभीर आरोप

खुद को सुपर कलेक्टर की तरह काम करने का आरोप है, जिन पर महत्वपूर्ण फाइलों को महीनों दबाने तथा प्रशासनिक निर्णयों को प्रभावित करने का आरोप है जिसे लेकर अगस्त क्रांति मंच ने इस पूरे मामले की मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव,आयुक्त रीवा संभाग एवं उइक जांच की मांग की है साथ ही चेतावनी दी है कि यदि को जांच नही हुई तो 13 अप्रैल से आमरण अनशन किया जाएगा। यह मामला सिर्फ एक नियुक्ति या बर्खास्तगी का नहीं, बल्कि प्रशासनिक पारदर्शिता और जवाबदेही का बन चुका है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या मऊगंज में कानून चलेगा या प्रभाव और दबाव?

बड़वारा में मुख्यमंत्री के नाम दिया ज्ञापन; अनिवार्य सेवानिवृत्ति प्रावधान को बताया अन्यायपूर्ण

कटनी में शिक्षक टीईटी परीक्षा के विरोध में उतरे

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। प्रदेश सरकार ने शिक्षकों के लिए लागू की गई अनिवार्य शिक्षक पात्रता परीक्षा और इसके आधार पर सेवा समाप्ति के प्रावधानों के विरोध में शुक्रवार को बड़वारा तहसील के शिक्षकों ने मोर्चा खोल दिया। सैकड़ों शिक्षकों ने तहसील कार्यालय का घेराव कर मुख्यमंत्री के नाम तहसीलदार को ज्ञापन दिया। शिक्षकों ने शासन की इस नीति को अव्यावहारिक बताते हुए इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है।

20-25 वर्षों के अनुभव के बाद परीक्षा थोपना गलत- शत्रुघ्न पांडे, मिथलेश गोस्वामी और इलियास अहमद के नेतृत्व में हुए इस प्रदर्शन में शिक्षकों ने कहा कि वर्ष 1998 से 2010 के बीच नियुक्त शिक्षक तत्कालीन नियमों के आधार पर चयनित हुए थे। सेवा के अंतिम पड़ाव पर उन पर नए नियम थोपना और परीक्षा में असफल होने पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति का प्रावधान करना प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विपरीत है।

आरटीई एक्ट 2010 से पूर्व की नियुक्तियों पर उठाए सवाल- शिक्षक नेताओं का तर्क है कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (RTE) वर्ष 2010 में लागू हुआ था। इसके बाद के नियमों को पुराने शिक्षकों पर लागू करना वैधानिक रूप से त्रुटिपूर्ण है। शिक्षकों ने बताया कि जुलाई-अगस्त में प्रस्तावित इस परीक्षा का डर दिखाकर नौकरी छीनने की धमकी देना प्रदेश के लगभग 2 लाख शिक्षक परिवारों को मानसिक अवसाद में डाल रहा है।

शासन से पुनर्विचार याचिका दायर करने की मांग- ज्ञापन के माध्यम से शिक्षकों ने मांग की है कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता को पूर्णतः समाप्त या शिथिल किया जाए। साथ ही, उन्होंने शासन से आग्रह किया कि शिक्षकों के हितों और अर्जित अधिकारों की रक्षा के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका प्रस्तुत की जाए ताकि अनुभवी शिक्षकों का सामाजिक सम्मान सुरक्षित

त्योंथर मे श्रीराम सोलर का भव्य उद्घाटन, क्षेत्रीय लोगो को बिजली के संकट से मिलेगी मुक्ति

दैनिक रेवांचल टाइम्स त्योंथर। जिले के त्योंथर तहसील अंतर्गत चिल्ला में पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत सब्सिडी वाले सोलर का भव्य कार्यालय मुख्य अतिथि द्वारा फीता काट कर उद्घाटन किया गया।

जिसमे मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी गंगा प्रसाद द्विवेदी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल तिवारी,रामायण सिंह, वृंदा तिवारी, ब्रह्मनारायण शर्मा, पूर्व सरपंच बुद्धसेन प्यासी,समीर सिंह, सरपंच रावेन्द्र सिंह, सरपंच धर्मेंद सिंह रिंकू डॉ.केपी यादव, यूबी सिंह,रणजीत सिंह, हरिश्चन्द्र सिंह मनोज विश्वकर्मा और आशुतोष सिंह मौजूद रहे। इस योजना में 3 '६ का सोलर 2,00000 रुपये में साथ मे 78,000 का शासकीय अनुदान, 6% की ब्याज दर पर शासकीय बैंक से लोन उपलब्ध है इसके साथ ही 5 '६ का सोलर 3,00000 रुपये और 10 '६ का सोलर 4,20000 रुपये में उपलब्ध है। श्रीराम सोलर के संचालक सुकान्त सिंह ने बताया कि बिजली की समस्या और बिजली बिल से परेशान उपभोक्ता इस योजना के तहत पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना अंतर्गत सोलर पैनल लगवाकर बिजली के बिल से मुक्ति पा सकते है इस सोलर के लगने बिजली बिल में 90% की बचत हो जाती है । उक्त सोलर पैनल लगवाने के लिए आप मुख्य कार्यालयः ट्रांसपोर्ट नगर, डंग पैलेस के पास रेलवे मोड़ रीवा तथा शाखा कार्यालय; पटेल ऑटो रिपेरिंग सेंटर के बगल में,शंकरगढ़ रोड चिल्ला त्योंथर जिला रीवा मध्यप्रदेश जाकर या मोबाइल नं. 9229626685 पर सम्पर्क कर सकते है।

वन संरक्षण के प्रयासों का सुखद परिणाम

दक्षिण पन्ना के जंगल में सुनहरी आभा बिखेरता दुर्लभ पलाश प्रकृति का अनमोल उपहार

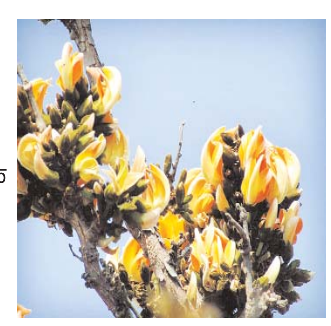

दैनिक रेवांचल टाईम्स, पन्ना। दक्षिण पन्ना वन मण्डल के सलेहा वन परिक्षेत्र अंतर्गत धरवारा बीट के जंगल इन दिनों एक अनोखी प्राकृतिक छटा से सराबोर हैं। यहां दुर्लभ पीले फूलों वाले पलाश के वृक्ष ने अपनी सुनहरी आभा से पूरे वन क्षेत्र को मानो आलोकित कर दिया है। आमतौर पर पलाश के फूल गहरे केसरिया या नारंगी रंग के होते हैं, जिन्हें उनकी प्रखर चमक के कारण ह्लजंगल की ज्वालाह्व कहा जाता है। लेकिन धरवारा बीट में खिला यह पीले रंग का पलाश अपनी अलग ही पहचान बना रहा है। इसके कोमल, सुनहरे पुष्प हरियाली के बीच सूर्य की किरणों की भांति दमकते हैं, जो इसे अत्यंत दुर्लभ और मनमोहक बनाते हैं। प्रकृति संरक्षण कार्यकर्ता अजय चौरसिया ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने कैमरे में कैद किया है। उनकी यह तस्वीर न केवल एक अनोखी खोज को दशार्ती है, बल्कि यह वन क्षेत्र में चल रहे संरक्षण प्रयासों की सफलता की सजीव कहानी भी कहती है। विशेषज्ञों के अनुसार, पलाश केवल अपनी सुंदरता के लिए ही नहीं जाना जाता, बल्कि इसके अनेक औषधीय गुण भी हैं। इसकी छाल, फूल और बीज आयुर्वेद में उपयोगी माने जाते हैं। विशेष रूप से त्वचा रोग, पाचन संबंधी समस्याओं और रक्त शुद्धि में इसका उपयोग किया जाता रहा है। पीले फूलों वाला यह रूप अपनी दुर्लभता के कारण और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। वन विभाग द्वारा वर्षों से किए जा रहे संरक्षण, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन के प्रयासों का ही परिणाम है कि अब जंगलों में ऐसी दुर्लभ प्राकृतिक विविधताएं पुनः देखने को मिल रही हैं। धरवारा बीट में खिला यह पीला पलाश केवल एक वृक्ष नहीं, बल्कि प्रकृति का एक संदेश है, जो बताता है कि यदि संरक्षण के प्रयास निरंतर और समर्पित हों, तो जंगल अपनी खोई हुई पहचान और रंगत दोनों पुनः प्राप्त कर सकते हैं।

आशरीन बानो को पीएचडी की उपाधि

दैनिक रेवांचल टाइम्स रीवा । अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा द्वारा डॉ. आशरीन बानो को पीएचडी (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) की उपाधि प्रदान की गई है। यह उपलब्धि उनके निरंतर परिश्रम, अकादमिक अनुशासन एवं शोध के प्रति समर्पण का प्रमाण है। डॉ. आशरीन बानो ने समाजशास्त्र (फैकल्टी ऑफ सोशल साइंस) विषय में कामकाजी महिलाओं की समस्याएं एवं पारिवारिक समायोजन (रीवा जिले के विशेष संदर्भ में) विषय पर अपना शोध कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण किया। यह शोध कार्य उनके मार्गदर्शक डॉ. शाहिदा सिद्दीकी, असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट ऑफ सोशियोलॉजी, शासकीय टीआरएस कॉलेज रीवा के निर्देशन में संपन्न हुआ। उल्लेखनीय है कि डॉ. आशरीन बानो नगर परिषद त्योंथर, गुढ़ एवं नगर परिषद सिरमौर के पूर्व मुख्य नगर पालिका अधिकारी डॉ. एस.बी. सिद्दीकी की पुत्री हैं। डॉ. आशरीन बानो ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता डॉ. एस.बी. सिद्दीकी एवं माता सुबरातन बेगम को दिया है, जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से यह उपलब्धि संभव हो सकी। पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने पर उनके परिवारजनों, मित्रों एवं शुभचिंतकों में हर्ष का माहौल है तथा सभी ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

केसरवानी वैश्य नगर सभा डभौरा में कार्यक्रम एवं तीनों घटकों की हुई नियुक्ति

दैनिक रेवांचल टाइम्स डभौरा । केसरवानी वैश्य सभा मध्य प्रदेश संगठन के संरक्षक राजीव केसरवानी के मंशा एवं केशरवानी वैश्य सभा के प्रदेश अध्यक्ष रामकिंकर केसरवानी पूर्व कलेक्टर एवं मध्य प्रदेश केसरवानी महासभा के प्रदेश महामंत्री सुरेश केसरवान के आदेश एवं तरुण सभा प्रदेश अध्यक्ष विकास केसरवानी राहुल एवं महिला महासभा की प्रदेश अध्यक्षया ममता गुप्ता के निदेर्शा अनुसार केसरवानी वैश्य नगर सभा डभौरा का गठन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गयव। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित देव स्वरूप केसरवानी प्रधान छिवलहा उपस्थित रहे। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल केसरवानी, केसरवानी वैश्य सभा कार्य समिति सदस्य मध्यप्रदेश पार्षद डभौरा एवं जोगे लाल केशरवानी, वरिष्ठ समाजसेवी लोहगरा प्रयागराज रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माया केसरवानी नगर परिषद अध्यक्षया डभौरा द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ केशरवानी नगर सभा डभौरा, केसरवानी वैश्य महासभा, महिला वैश्य सभा तथा केसरवानी तरुण सभा, वैश्य नगर सभा डभौरा के संयुक्त तत्वाधान में महर्षि कश्यप ऋषि के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्यलन के साथ किया गया। जिसमें वरिष्ठ समाज सेवी धर्म समाज चिंतक विनोद केसरी, अनिल केसरवानी, पार्षद जोगे लाल केशरवानी, लोहगरा केसरवानी, वैश्य महिला सभा प्रदेश सभा सदस्य अनीता केसरवानी, पूर्व सरपंच डभौरा एवं महिला समाजसेवी सुरुचि केसरवानी, समाज चिंतक सामाजिक कार्यकर्ता गौ सेवक वैभव कुमार केसरवानी, केसरवानी वैश्य तरुण सभा संगठन मंत्री मध्य प्रदेश बृजेश केसरवानी बिरजू, प्रदेश का समिति सदस्य माया केसरवानी, वरिष्ठ व्यापारी सुरेश केसरवानी ने अपने विचार ब्यक्त करे। कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि देव स्वरूप केसरवानी ने हर संभव समाज को नई ऊर्जा शिक्षा जनप्रतिनिधि एवं हर तरह से केसरवानी समाज को भागीदारी में भाग लेने की बात रखते हुए केसरवानी समाज के वरिष्ठ एवं पूज्य पूर्वजों के इतिहास बलिदान तथा महाराजा अग्रसेन भामाशाह के बलिदान पर जोर देते हुए केशरवानी समाज को भी अब पुरुषों के साथ महिलाओं को भी आगे समाज में आने पर जोर दिया। जिसके बाद निर्णय लिया गया कि समाज मे सामाजिक समरसता के आधार पर नगर डभौरा में हर रविवार को एक संयुक्त रूप से अपने स्तर पर बैठक की जाएगी। इसके साथ ही केशरवानी समाज के वरिष्ठ जनों एवं व्यापारियों के सहमत के आधार पर तीनों घटकों के नाम की घोषणा की गई जिसमें नगर सभा डभौरा के महिला अध्यक्षया अनीता केसरवानी पूर्व सरपंच डभौरा एवं केसरवानी वैश्य नगर सभा के अध्यक्ष विनोद केसरी संचालक आइडियल स्कूल डभौरा तथा केशरवानी तरुण नगर सभा सभा के अध्यक्ष आशुतोष केसरवानी के नाम के सहमत की घोषणा की गई। जिसमें अनिल केसरवानी मेडिकल स्टोर, विनोद गुप्ता, बच्चू विकास केसरवानी, दीपू केसरवानी, आशुतोष केसरवानी, राजेश केसरवानी, लव कुश केसरवानी, लखन केसरवानी, रोहित मऊ, घनश्याम संजय केसरवानी, राकेश केसरवानी, सुशील, विनोद,गणेश, एवं नगर सभा के कई वरिष्ठ समाज सेवी तथा गण मान्य लोग उपस्थित रहे । कार्यक्रम का सफल संचालन गौ सेवक वैभव कुमार केसरवानी द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम का आभार समापन अनीता केसरवानी के द्वारा किया गया।

कार्यालय ग्राम पंचायत मुंगवानी

जनपद पंचायत एवं जिला पंचायत नरसिंहपुर, म.प्र.

क्रमांक/57/ग्रा.पंचा./2026 मुंगवानी, दि.-10.03.2026

नीलामी सूचना

साधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम पंचायत मुंगवानी अतर्गत ग्राम मुंगवानी में संचालित साप्ताहिक हाट बाजार की नीलामी दिनांक 01 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 तक के लिये की जाना है। इच्छुक व्यक्ति अथवा संस्था निर्धारित प्रारूप में आवेदन अमानत राशि 10,000/- रुपये की रसीद के साथ दिनांक 24 मार्च 2026 दिन मंगलवार को समय सायं 04:00 बजे तक कार्यालय ग्राम पंचायत मुगवानी में जमा कर सकते हैं। तथा उक्त अंतिम नीलामी की प्रक्रिया दिनांक 25 मार्च 2026 दिन बुधवार को दोपहर 01:00 बजे से ग्राम पंचायत भवन मुंगवानी सभा कक्ष में आयोजित की जावेगी। नीलामी के नियम व शर्ते कार्यालय ग्राम पंचायत भवन मुंगवानी के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

सरपंच — ग्राम पंचायत मुंगवानी, जनपद पंचायत नरसिंहपुर

सचिव — ग्राम पंचायत मुंगवानी, जनपद पंचायत नरसिंहपुर

खुशहाली दिवस पर विजयराघवगढ़ का गौरव, प्रियांश जैन राष्ट्रीय मंच पर सम्मानित

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। अंतरराष्ट्रीय खुशहाली दिवस के अवसर पर राजधानी भोपाल में आयोजित आनंद के आयाम राष्ट्रीय संगोष्ठी एक भावनात्मक और प्रेरणादायक आयोजन बनकर उभरी जहाँ खुशहाली को केवल शब्द नहीं बल्कि जीवन का उद्देश्य मानकर उसे समाज के हर व्यक्ति तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल भौतिक विकास तक सीमित नहीं है बल्कि हर व्यक्ति के जीवन में सच्ची खुशहाली और संतुलन लाना है। उन्होंने कहा कि सेवा सहयोग और सकारात्मक सोच ही वह मार्ग है जो समाज को वास्तविक आनंद की ओर ले जाता है।संगोष्ठी के दौरान प्रदेशभर से आए विभिन्न आनंद क्लबों के प्रतिनिधियों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। इसी क्रम में कटनी जिले के विजयराघवगढ़ से डॉ. शारदा प्रसाद साहू आनंद क्लब के प्रतिनिधि प्रियांश जैन को मंच पर सम्मान प्रदान किया गया। यह सम्मान पूरे क्षेत्र के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण बन गया। इस अवसर पर क्लब के उपाध्यक्ष चन्द्रभान पाल की गरिमामयी उपस्थिति भी रही। डॉ. शारदा प्रसाद साहू आनंद क्लब समाज में सकारात्मक सोच सेवा भावना और आनंदमयी जीवनशैली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सतत कार्य कर रहा है। यह क्लब राहत समर्पण सेवा समिति की प्रेरणा से स्वास्थ्य शिक्षा महिला सशक्तिकरण पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है।अंतरराष्ट्रीय खुशहाली दिवस पर मिला यह सम्मान न केवल एक उपलब्धि है बल्कि समाज सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ने की नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत भी है। यह सम्मान इस बात का प्रतीक है कि जब सेवा और समर्पण की भावना सच्ची हो, तो उसकी गूंज प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय मंच तक सुनाई देती है।

संकल्प से समाधान अभियान का तृतीय चरण जारी

23 को नगर परिषद बरही और विकासखंड कटनी में आयोजित होंगे शिविर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र नागरिकों को दिलाने हेतु कलेक्टर श्री आशीष तिवारी के निर्देश पर जिले में "संकल्प से समाधान अभियान" का तृतीय चरण शुरू हो चुका है। इस चरण के अंतर्गत विकासखण्ड स्तर पर शिविर आयोजित किए जा रहें हैं। जिसमें क्लस्टर या जोन लेवल पर अनिराकृत शेष आवेदन व शिकायतों या नवीन प्राप्त आवेदनों का निराकरण किया जाएगा। जिन विकासखण्ड मुख्यालयों में नगर पंचायत या नगर पालिका स्थित है, उनमें सम्मिलित रूप से विकासखण्ड मुख्यालय स्तर पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में किए गए निराकरणों को ब्लॉक लेवल नोडल अधिकारी द्वारा पोर्टल पर दर्ज किया जाएगा। जारी शिविर कार्यक्रम के अनुसार नगर परिषद बरही और विकासखंड कटनी में सोमवार 23 मार्च को शिविर का आयोजन किया जाएगा। जबकि मंगलवार 24 मार्च को विकासखंड बड़वारा, कटनी (एम कापोर्रेशन) और रीठी में शिविर आयोजित किये जायेंगे। वहीं गुरूवार 26 मार्च को विकासखंड बहोरीबंद में शिविर आयोजित किया जाएगा। कलेक्टर श्री तिवारी ने सभी जिला अधिकारियों और एसडीएम को संकल्प से समाधान अभियान के तहत आयोजित होने वाले विकासखंड स्तरीय शिविरों में शामिल होने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को इन शिविरों में विधायकों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी बुलाने हेतु निर्देशित किया है।

जनगणना समन्वय समिति की बैठक 23 को

कटनी । जनगणना कार्य के जिला स्तर पर सुचारू एवं सुगम संचालन के लिए कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी श्री आशीष तिवारी की अध्यक्षता में "जिला जनगणना समन्वय समिति की बैठक" सोमवार 23 मार्च को 11 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा बैठक के साथ ही आयोजित की गई है। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी श्री नीलाम्बर मिश्रा ने बैठक के दौरान अतिरिक्त जिला जनगणना अधिकारी एवं जिला योजना सांख्यिकी अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, परियोजना अधिकारी, जिला शहरी विकास अभिकरण को उपस्थित रहने के निर्देश दिये हैं।

ओम होम हैल्थ केयर सर्विस

हमारे पास अशक्त बुजुर्ग मरीजों की देखभाल हेतु नर्स,वार्ड वॉय,आया बाई,फिजियोथैरेपी और दवाईयाँ घर पर उपलब्ध कराए जाते हैं।

प्रो.जितेन्द्र पटैल CERVIC - 24X7 Hourse

मो. 9340721556,9753518166

पता-केनरा बैंक महाराष्ट्र हॉई स्कूल गोल बाजार जबलपुर(म.प्र.)

Manufacturer of t-shirts & lowers Mo. 9174614421, 9406763810

CHANDRAKALA TEXTILES

सभी प्रकार की टी-शर्ट ऑर्डर पर बनाई और प्रिंट की जाती हैं और स्पोर्ट्स सबलिमेसन जर्सी बनाई जाती हैं।

Address : shop no 151, jabalpur fashion design cluster market Lema garden Gohalpur jabalpur 482001

बदला मौसम का मिजाज: बारिश लाई सुकून, गर्मी की वापसी तय

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मध्यप्रदेश में तेज गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट ले ली है। प्रदेश के कई हिस्सों में बादलों की आवाजाही और हल्की बारिश ने लोगों को राहत दी है। शुक्रवार देर रात गरज-चमक के साथ हुई बारिश और ठंडी हवाओं के चलते तापमान में गिरावट दर्ज की गई, जिससे दिनभर की तपिश कम हो गई। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार प्रदेश के कई जिलों में बीती रात हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि कुछ स्थानों पर गरज-चमक के साथ तेज बौछारें भी पड़ीं। इस बदलाव के चलते दिन के तापमान में 3 से 4 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई है। जहां पहले तापमान सामान्य से काफी ऊपर चल रहा था, वहीं अब यह सामान्य के करीब पहुंच गया है। आज और कल भी प्रदेश के कई इलाकों में बादलों की आवाजाही बनी रहने और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। इससे गर्मी से अस्थायी राहत जारी रह सकती है। हालांकि मौसम विभाग ने साफ संकेत दिए हैं कि 22 मार्च के बाद मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा और इसके साथ ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार इस बदलाव के पीछे कई सिस्टम एक साथ सक्रिय हैं। उत्तर मध्य भारत, पश्चिमी राजस्थान और उत्तर प्रदेश के आसपास ऊपरी हवा के चक्रवातीय परिसंचरण बने हुए हैं। इसके साथ ही मध्यप्रदेश से मराठवाड़ा तक एक ट्रफ लाइन भी गुजर रही है, जो मौसम को प्रभावित कर रही है। वहीं उत्तर-पश्चिम दिशा में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर भी प्रदेश के मौसम पर पड़ा है। इसके अलावा 22 मार्च के आसपास एक नया कमजोर पश्चिमी विक्षोभ उत्तर-पश्चिम भारत में सक्रिय होने की संभावना है, जिससे मौसम में फिर हल्का बदलाव संभव है। मौसम विभाग ने किसानों को सलाह दी है कि वे फसलों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाएं, क्योंकि तापमान में उतार-चढ़ाव का असर रबी फसलों पर पड़ सकता है। वहीं आम लोगों को भी बदलते मौसम में स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी गई है। कुल मिलाकर, फिलहाल प्रदेश में मौसम सुहावना बना हुआ है और लोगों को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन यह राहत ज्यादा दिन टिकने वाली नहीं है। आने वाले दिनों में एक बार फिर तेज गर्मी का दौर लौटने की पूरी संभावना है।

रेलवे प्लेटफॉर्म पर अवांछितों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

आरपीएफ-जीआरपी ने चलाया अभियान ऑटो चालकों व अवैध पार्किंग पर भी शिकंजा

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। शहर के रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा और व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और जीआरपी ने संयुक्त रूप से सख्त अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को प्लेटफॉर्म पर लंबे समय से डेरा जमाए बैठे अवांछित लोगों के खिलाफ व्यापक कार्रवाई की गई। टीम ने प्लेटफॉर्म को अस्थायी आश्रय स्थल बनाकर रह रहे लोगों को बाहर का रास्ता दिखाया और स्टेशन परिसर को खाली कराया। कार्रवाई के दौरान पुलिस बल ने प्लेटफॉर्म पर सो रहे लोगों को एक-एक कर उठाया और उन्हें स्टेशन से बाहर किया। अधिकारियों का कहना है कि कई लोग महीनों से प्लेटफॉर्म को ही रात्रि विश्राम का ठिकाना बनाकर रह रहे थे, जिससे न केवल यात्रियों को असुविधा हो रही थी, बल्कि सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी बढ़ रही थीं। अभियान के तहत केवल अवांछित व्यक्तियों को हटाने तक ही कार्रवाई सीमित नहीं रही, बल्कि स्टेशन परिसर में अनियमित गतिविधियों पर भी कड़ा रुख अपनाया गया। प्लेटफॉर्म के अंदर घुसने वाले ऑटो चालकों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें प्रतिबंधित क्षेत्र से हटाया गया। इसके साथ ही गैर-पार्किंग क्षेत्र में खड़े वाहनों पर भी चालानी कार्रवाई की गई। आरपीएफ प्रभारी ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और स्टेशन परिसर में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि रेलवे परिसर केवल यात्रियों की सुविधा के लिए है, इसे अवैध रूप से ठहरने या अन्य गतिविधियों के लिए उपयोग करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई से स्टेशन परिसर में साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था में सुधार की उम्मीद जताई जा रही है। वहीं यात्रियों ने भी इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि इससे स्टेशन का माहौल बेहतर होगा और यात्रा अधिक सुरक्षित बन सकेगी।

जमीन विवाद बना खूनखराबे की वजह: साले ने लाठी से पीट-पीटकर जीजा की हत्या, देर रात वारदात से गांव में सनसनी

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। पनागर थाना क्षेत्र के ग्राम टिकरी में जमीन विवाद ने एक बार फिर खौफनाक रूप ले लिया। पारिवारिक रिश्तों को तार-तार करते हुए साले ने अपने ही जीजा पर लाठी से ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिससे गंभीर रूप से घायल युवक की मौत हो गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस के अनुसार, मृतक 40 वर्षीय सुनील सिंह मूल रूप से तेंदूखेड़ा का निवासी था, जो शादी के बाद अपने ससुराल ग्राम टिकरी में ही रहकर जीवन यापन कर रहा था। लंबे समय से ससुराल पक्ष की जमीन को लेकर उसका अपने साले दिलीप गोंड और उसके परिवार से विवाद चल रहा था। घटना की रात एक बार फिर जमीन को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर गाली-गलौज होने लगी। इसी दौरान सुनील सिंह ने आवेश में आकर आरोपी के बड़े भाई को अपशब्द कह दिए, जिससे माहौल और ज्यादा बिगड़ गया। गुस्से में आए दिलीप गोंड ने पास में रखी लाठी उठाई और सुनील पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से सुनील गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा। घटना के बाद परिजन घायल सुनील को तुरंत इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाने निकले, लेकिन रास्ते में ही उसकी सांसें थम गईं। इस दर्दनाक घटना से परिवार में मातम पसर गया। सूचना मिलते ही पनागर पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर आरोपी दिलीप गोंड को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में आगे की जांच जारी है। यह घटना एक बार फिर साबित करती है कि जमीन विवाद किस तरह रिश्तों को खत्म कर खूनखराबे में बदल सकता है।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला: दादा की अधिग्रहीत जमीन के बदले पोते को नौकरी नहीं, केट का आदेश निरस्त

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने भूमि अधिग्रहण के बदले नौकरी देने से जुड़े एक अहम मामले में स्पष्ट किया है कि इस सुविधा का लाभ सीमित दायरे में ही दिया जा सकता है और इसमें पोते को शामिल नहीं किया जा सकता। न्यायालय ने इस महत्वपूर्ण टिप्पणी के साथ केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण (केट) के आदेश को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया और न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की खंडपीठ ने अपने फैसले में कहा कि नौकरी का प्रावधान केवल जमीन मालिक, उसके पति या पत्नी और बेटे-बेटी तक ही सीमित है। पोते को नौकरी देने का कोई कानूनी प्रावधान नहीं है, ऐसे में केट द्वारा पुनर्विचार का निर्देश कानून के विपरीत था।

रीवा-सीधी रेलवे परियोजना से जुड़ा मामला

मामला रीवा-सीधी रेलवे परियोजना से जुड़ा है, जिसमें जगत प्रताप सिंह की जमीन का अधिग्रहण किया गया था और अप्रैल 2013 में उन्हें मुआवजा दिया गया। इसके बाद दिसंबर 2013 में रेलवे ने अधिसूचना जारी कर प्रभावित परिवारों को नौकरी देने का प्रावधान रखा। अधिसूचना के आधार पर जगत प्रताप सिंह के पोते भैया प्रशांत सिंह ने नौकरी के लिए आवेदन किया, जिसे रेलवे ने खारिज कर दिया। इसके बाद मामला केट पहुंचा, जहां 21 मार्च 2025 को पोते के आवेदन पर पुनर्विचार का आदेश दिया गया था।

परिवार के पास पर्याप्त जमीन, आजीविका प्रभावित नहीं

खंडपीठ ने यह भी माना कि संबंधित परिवार के पास पहले से करीब 11.5 एकड़ कृषि भूमि मौजूद है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि परिवार आजीविका से वंचित नहीं हुआ है। इस आधार पर याचिकाकर्ता को राहत देने का कोई औचित्य नहीं बनता।

नौकरी के दायरे पर स्पष्टता

हाईकोर्ट के इस फैसले से भूमि अधिग्रहण के बदले मिलने वाली नौकरी की पात्रता को लेकर स्थिति और स्पष्ट हो गई है। यह निर्णय भविष्य में ऐसे मामलों के लिए महत्वपूर्ण नजीर माना जा रहा है, जिसमें परिवार के विस्तारित सदस्यों द्वारा नौकरी के दावे किए जाते हैं।

हाईकोर्ट में चुनौती, केंद्र और रेलवे का पक्ष मजबूत

केट के इस आदेश को केंद्र सरकार और रेलवे ने उच्च न्यायालय में चुनौती दी। सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से अधिवक्ता अर्णव तिवारी ने दलील दी कि अधिसूचना में स्पष्ट रूप से पात्रता केवल जमीन मालिक, उसके पति/पत्नी और बच्चों तक सीमित है। पोते के लिए कोई प्रावधान नहीं है। साथ ही, निर्धारित कटऑफ तिथि 1 जनवरी 2014 के समय आवेदक नाबालिग था।

डिंडोरी से जबलपुर तक... इबादतगाह, अदावत और हिसाब-किताब की एक कड़वी दास्तान...

ईद का दिन है...
गले मिलने का दिन...
गिले-शिकवे मिटाने का दिन...
लेकिन इसी दिन अगर हम अपने अंदर झांकने की हिम्मत न करें, तो ईद सिर्फ रस्म बनकर रह जाती है।
डिंडोरी की मस्जिद में जो कुछ हुआ, उसे ...हाफ शर्ट... का मसला बताकर आगे बढ़ जाना आसान है...
लेकिन हकीकत इससे कहीं ज्यादा गहरी है।
डॉ. मोहम्मद जफर खान नमाज के लिए मस्जिद पहुंचे।
इमरान खान ने उनके लिबास... ...हाफ शर्ट...... पर एतराज किया।
डॉक्टर ने कहा... नमाज के लिए ऐसा कोई सख़्त उसूल नहीं।

मुहम्मद अनवार बाबू
jabalpur@hotmail.com

लेकिन इसके बाद जो हुआ, वह दीनी बहस नहीं थी...
बल्कि अदावत का इजहार था।
इल्जाम है कि गाली-गलौज हुई, फिर मोंटी, मिंटू और मुजीब भी शामिल हुए, और मस्जिद के अंदर ही हमला कर दिया गया।
पाइप से वार हुआ... चोटें आईं...
एफआईआर दर्ज हो चुकी है।
पुलिस तफ्तीश कर रही है।
लेकिन असल सवाल...
क्या यह झगड़ा उसी वक़्त पैदा हुआ था?
मकामी लोग बताते हैं... नहीं।
एक दिन पहले रात में भी दोनों तरफ झगड़ा हुआ था।
यानी ...हाफ शर्ट... सिर्फ एक बहाना था...
असल वजह पुरानी रंजिश थी।
और अफसोस की बात...
उस रंजिश को अंजाम देने के लिए मस्जिद का इस्तेमाल किया गया।
अब ज़िक्र जबलपुर का... नाम हम नहीं लेंगे
अब जरा जबलपुर की एक इबादतगाह की तरफ चलते हैं।
नाम नहीं लेंगे... क्योंकि नाम लेते ही कई अपने ही तिलमिला उठेंगे।
यह वाकया है नई बस्ती की एक मस्जिद का।
रात थी... शबे-कद्र की।
वह रात, जो इबादत, मगफिरत और रहमत की रात मानी जाती है।
लेकिन उसी रात मस्जिद में एक हिसाब-किताब पेश किया गया।
अब उसमें क्या सही, क्या गलत...
हम फैसला नहीं देंगे।
आप खुद तय कीजिए।
हिसाब या सवाल?
बताया गया कि...
पिछले साल मस्जिद में एक इख़्तलाफ हुआ
झगड़ा हुआ... अंदर भी, बाहर भी
मामला अदालत तक पहुंचा
और फिर...
उस पूरे झगड़े का खर्च
एक साल बाद मस्जिद के हिसाब में जोड़ दिया गया
रकम...
75,000 रुपये।
और यह रकम आई...
आम मुसलमानों के चंदे से
यानी अवाम की जेब से
ईद के दिन कुछ सवाल...
आज जब हम गले मिल रहे हैं, तो क्या इन सवालों से भी गले मिलेंगे?
क्या मस्जिद का चंदा इबादत के लिए होता है या झगड़ों के खर्च के लिए?
क्या कुछ लोगों की अदावत का बोझ पूरी कौम उठाए?
क्या जवाबदेही से बचने के लिए ...हिसाब... का सहारा लिया जा रहा है?
दो शहर... एक छोटा सा कस्बा तो एक कथित बड़ा शहर पर पैटर्न एक ही...
डिंडोरी में...
मस्जिद को बदले का जरिया बनाया गया
जबलपुर में...
मस्जिद को झगड़े का खर्च उठाने का जरिया बनाया गया
दोनों जगह...
इबादतगाह, इबादत से दूर होती दिख रही है।
ईद का असली पैगाम.....
ईद सिर्फ नए कपड़े पहनने का नाम नहीं...
ईद अपने अंदर झांकने का नाम है।
अगर मस्जिद में अदावत घुसेगी, और चंदे में अमानतदारी नहीं होगी,
तो फिर यह सवाल उठेगा ही...
...मुसलमानों की बदहाली की असल वजह कौन है?...
ईद के इस दिन...
शायद हमें इस सवाल से भागना नहीं,
इसका जवाब तलाश करना चाहिए।
ईद मुबारक।

इंदौर के युवक अक्षय शर्मा अपहरण-हत्याकांड में बड़ा खुलासा

जबलपुर से तीन आरोपी गिरफ्तार, बर्बरता की कहानी ने दहलाया

दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। इंदौर के चर्चित अक्षय शर्मा अपहरण और हत्या मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे तीन मुख्य आरोपियों को जबलपुर पुलिस ने दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया है। इस सनसनीखेज मामले में आरोपियों की बर्बरता और अमानवीय यातनाओं ने पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस के अनुसार, इंदौर में वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी शशिकांत शर्मा, रवि शर्मा और गौरव शर्मा फरार होकर जबलपुर में अलग-अलग ठिकानों पर छिपे हुए थे। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए शशिकांत को एक भाजपा नेत्री के घर से गिरफ्तार किया। पूछताछ के बाद उसके अन्य साथियों रवि और गौरव को भी पास के एक अन्य मकान से दबोच लिया गया। इस पूरे ऑपरेशन को कोतवाली सीएसपी रितेश कुमार शिव के नेतृत्व में अंजाम दिया गया, जिसमें लार्डगंज थाना प्रभारी नवल आर्य की टीम ने अहम भूमिका निभाई। पुलिस ने पहले ही इन आरोपियों पर इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि अक्षय शर्मा का अपने चाचा गोविंद शर्मा और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ पैतृक जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी रंजिश ने इस जघन्य हत्याकांड का रूप ले लिया। इस निर्मम हत्याकांड ने पूरे प्रदेश में आक्रोश पैदा कर दिया है। आमजन के साथ-साथ सामाजिक संगठनों ने भी आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस का कहना है कि फरार आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा और सभी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

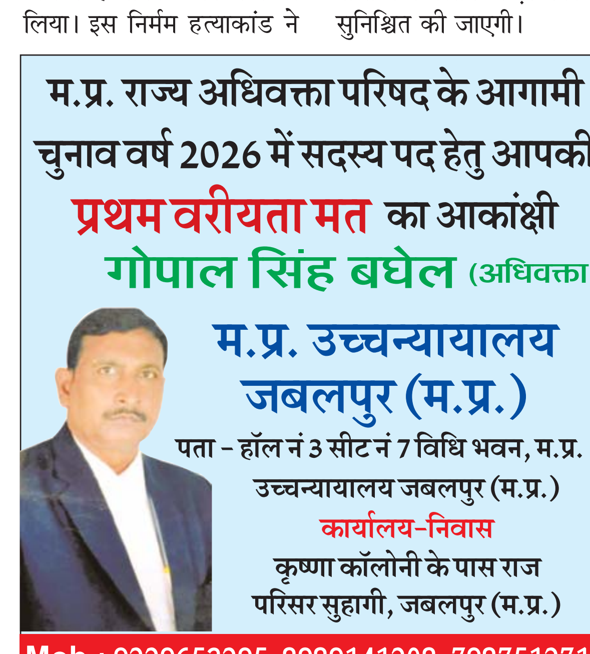

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, मुकेश कुमार श्रीवास द्वारा माँ रेवा पब्लिकेशन एन्ड प्रिंटर्स लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे विवेकानंद वार्ड एम आर 4 रोड़ जबलपुर म.प्र. 482001 से मुद्रित तथा लक्ष्मीपुर मुस्कान प्लाजा के पीछे एम आर 4 रोड 21 स्वामी विवेकानंद वार्ड जबलपुर म.प्र. 482001 से प्रकाशित । संपादकः अतुल कुमार बंदेवार RNI. Reg. No MPHIN/2023/90965 (समस्त विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र जबलपुर) Email:- revanchaljabalpur@gmail.com मोब. 7509202320, 9406771592